आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 09 जून 2026 ■ ज्येष्ठ अधिकमास कृष्ण पक्ष-09 ■ वर्ष -42 ■ अंक-072 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 10 जून 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

बिजली कंपनी का आईपीओ, किसानों को 15 हजार रु.प्रति एकड़ सहायता,240 ई-बसों का होगा संचालन

कृषक उन्नति योजना के नवीन स्वरूप को मंजूरी

रायपुर,9 जून। ■ तरुण छत्तीसगढ़

आज मंत्रिपरिषद् की बैठक में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को आईपीओ (IPO) के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किए जाने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई। इस महत्वपूर्ण निर्णय से आम नागरिकों और निवेशकों को कंपनी की विकास यात्रा में भागीदार बनने का अवसर मिलेगा तथा कंपनी की वित्तीय क्षमता और पारदर्शिता को नई मजबूती मिलेगी।

मंत्रिपरिषद् ने खरीफ-2026 से कृषक उन्नति योजना के नवीन स्वरूप को मंजूरी दी है। राज्य सरकार द्वारा फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, किसानों की आय बढ़ाने तथा धान पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के उद्देश्य से धान के स्थान पर अन्य खरीफ फसलें लेने वाले किसानों एवं दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो, कुटकी, रागी तथा कपास की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15,000 रुपये की आदान सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

इस योजना का लाभ एकीकृत किसान पोर्टल, एग्रीस्टेक पंजीयन और डिजिटल क्रॉप सर्वे के आधार पर दिया जाएगा। इस निर्णय से प्रदेश में दलहन-तिलहन एवं अन्य वैकल्पिक फसलों का रकबा बढ़ेगा, किसानों को बेहतर आय प्राप्त होगी साथ ही कृषि क्षेत्र में दीर्घकालिक स्थिरता और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंत्रिपरिषद् ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को वित्तीय वर्ष 2026-27 में चना वितरण की निरंतरता बनाए रखने के लिए आवश्यक चना उपलब्ध कराने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। निर्णय के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को नेकडेक्स-ई-मार्केट (NeML) के ई-ऑक्शन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिकतम 0.25 प्रतिशत या उससे कम सर्विस चार्ज पर चना क्रय करने की अनुमति दी गई है। साथ ही, वर्तमान व्यवस्था के तहत अप्रैल से जून 2026 तक तीन माह की अवधि वृद्धि का अनुमोदन भी किया गया है। इस निर्णय से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजनाओं के तहत पात्र परिवारों को चना वितरण निर्बाध रूप से जारी रहेगा।

मंत्रिपरिषद् ने 'योग' विषय को समाज कल्याण विभाग से हटाकर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। योग, आयुष प्रणाली का अभिन्न अंग है तथा योग शिक्षा, अनुसंधान और उससे संबंधित गतिविधियां राष्ट्रीय स्तर पर आयुष तंत्र के माध्यम से संचालित होती हैं। विषय की प्रकृति और प्रशासनिक समन्वय को ध्यान में रखते हुए इसे चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन किए जाने का निर्णय लिया गया है।

इससे योग से संबंधित शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों का बेहतर समन्वय और प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सकेगा।मंत्रिपरिषद् ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म (PSM) स्कीम के अंतर्गत डायरेक्ट डेबिट मैंडेट (DDM) की सहमति भारत सरकार को प्रेषित करने की अनुमति प्रदान की है। इस निर्णय से रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और कोरबा में स्वीकृत कुल 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल, सुरक्षित और किफायती सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण कम करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।मंत्रिपरिषद ने नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को आपसी सहमति से भूमि क्रय पर प्रदान की जा रही मुद्रांक शुल्क (स्टाम्प ड्यूटी) छूट की अवधि 31 मार्च 2028 तक बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस निर्णय से प्राधिकरण को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में गति मिलेगी तथा नवा रायपुर अटल नगर के सुनियोजित विकास और आधारभूत संरचना के विस्तार को और अधिक मजबूती मिलेगी।

मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भण्डारण) नियम, 2009 में संशोधन को मंजूरी दी गई। इस संशोधन के तहत खनिज परिवहन करने वाले वाहनों में आरएफआईडी टैग एवं वाहन ट्रैकिंग प्रणाली को अनिवार्य किया जाएगा तथा खनिजों के ग्रेड निर्धारण और मात्रा आकलन के लिए आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्था लागू की जाएगी। भण्डारण अनुज्ञापत्रधारियों से वसूल की जाने वाली भण्डारण शुल्क की राशि तथा सिक्योरिटी डिपॉजिट में वृद्धि की गई। इसके अतिरिक्त ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत लाईसेंस होल्डर को अतिरिक्त जमीन स्वीकृत किए जाने एवं दो भण्डारण लाईसेंसों को समामेलित (एकजाई) संबंधी प्रावधानों को लागू किया गया। इस निर्णय से अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी तथा राज्य के राजस्व में वृद्धि सुनिश्चित होगी।

फेडरल कोर्ट ने H-1B वीजा पर लगाई गई फीस को रद्द किया

वाशिंगटन,9 जून। अमेरिका से भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। फेडरल कोर्ट ने H-1B वीजा पर लगाई गई करीब 1 लाख डॉलर (लगभग 96 लाख रुपए) की भारी फीस को रद्द कर दिया है। यह फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। कोर्ट ने साफ कहा कि इस तरह की फीस लगाना संविधान के "शक्तियों के अलग-अलग होने" नियम का उल्लंघन है। यह मामला अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स की याचिका के बाद सामने आया था, जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रपति को इतनी भारी फीस लगाने का अधिकार नहीं था। लगभग 6 महीने बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया। H-1B वीजा के तहत अमेरिकी कंपनियां उच्च कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों को नौकरी पर रखती हैं। इसमें कम से कम बैचलर डिग्री जरूरी होती है और यह वीजा खासकर भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स के लिए बेहद अहम माना जाता है। पहले इस पर भारी फीस लगाए जाने से कंपनियों और कर्मचारियों दोनों पर बड़ा बोझ पड़ रहा था, लेकिन अब कोर्ट के फैसले के बाद यह व्यवस्था रद्द हो गई है।

सोनडोंगरी में छापा..चोरी का पेट्रोल-डीजल बेचने-खरीदने वाले गिरफ्तार

रायपुर,9जून। राजधानी रायपुर के कबीर नगर थाना क्षेत्र में चोरी के पेट्रोल-डीजल की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने सोनडोंगरी इलाके में छापेमारी कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 35.45 लाख रुपए का डीजल, पेट्रोल, टैंकर, नकदी और अन्य उपकरण जब्त किए हैं। दरअसल, कबीर नगर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कान्हा ढाबा के पीछे स्थित ईपी रोलिंग मिल के पास, सोनडोंगरी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेट्रोल-डीजल का अवैध भंडारण और कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश देकर कार्रवाई की और गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस की रेड के दौरान बाउंड्री से घिरे एक खाली प्लॉट में चार लोग मौजूद मिले। जांच में वहां 8 ड्रमों में करीब 1,600 लीटर पेट्रोल और 3 ड्रमों में 500 लीटर डीजल रखा हुआ मिला। इसके अलावा मोटर पंप, पाइप, टीन के बर्तन और एक हाफ-कटिंग ड्रम भी बरामद किया गया। मौके पर खड़े टैंकर (सीजी 07बीए 8727) की जांच करने पर उसमें लगभग 12 हजार लीटर डीजल भरा हुआ पाया गया।

मोदी कैबिनेट में बदले जा सकते हैं 12 मंत्री

नई दिल्ली,9 जून। राज्यसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही एनडीए सरकार में कैबिनेट फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। अटकलें हैं कि इस बार कई राज्य मंत्रियों को बदला जा सकता है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि किन मंत्रालयों में बड़े स्तर पर बदलाव होंगे, लेकिन कहा जा रहा है कि इसकी संख्या एक दर्जन मंत्रियों तक जा सकती है। खास बात है कि 18 जून को राज्यसभा चुनाव हैं। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी कैबिनेट को लेकर बड़े फैसले ले सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि कम से कम 2 कैबिनेट मंत्री और 3 राज्य मंत्रियों परिषद से बाहर हो सकते हैं। अटकलें ये भी हैं कि एक वरिष्ठ मंत्री को दक्षिण भारतीय राज्य में पार्टी की कमान भी सौंपी जा सकती है।

सहयोगी दलों के ज्यादातर नेताओं को राज्य मंत्री का पद मिलने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि राज्यसभा का कार्यकाल पूरा कर रहे कई मंत्रियों को इस साल या 2027 की शुरुआत में संगठन में भेजा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, माना जा रहा है कि 70 साल से ज्यादा उम्र के कुछ राज्यसभा सांसदों को बदलने पर विचार किया जा सकता है और नए चेहरों को मौका दिया जा सकता है। सूत्रों के हवाले से बताया गया कि भाजपा मोर्चा नेताओं को कैबिनेट में पहली बार शामिल किया जा सकता है।

इन मंत्रालयों में बदलाव के आसार-रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे, वित्त, कॉर्पोरेट अफेयर्स, कोयला, टेक्सटाइल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, ग्रामीण विकास, रसायन और उर्वरक, सहकारिता, मत्स्य पालन, जल शक्ति, कृषि और पर्यावरण, कानून और अन्य में बदलाव के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया है।

राज्यसभा चुनाव-18 जून को होने वाले चुनाव में आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक की चार-चार सीट, मध्य प्रदेश और राजस्थान की तीन-तीन सीट, झारखंड की दो सीट तथा मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश एवं मिजोरम की एक-एक सीट शामिल हैं। महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा की एक-एक सीट के लिए उपचुनाव भी होगा। जिन 26 सीटों के लिए चुनाव एवं उपचुनाव हो रहा है उनमें एनडीए के पास 18 सीटें हैं और इनमें भी 12 सीटें भाजपा की हैं।

आरआई प्रमोशन परीक्षा मामला: सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप से इंकार,याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में पटवारियों से राजस्व निरीक्षक पद पर पदोन्नति के लिए आयोजित विभागीय परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप से इंकार करते हुए याचिका खारिज कर दी है। इससे सफल अभ्यर्थियों को लगातार तीसरा न्यायिक झटका लगा है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सिंगल बेंच और डिवीजन बेंच से राहत नहीं मिलने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हस्तक्षेप से इंकार करते हुए विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी है। इसके साथ ही परीक्षा निरस्त करने संबंधी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का आदेश अंतिम रूप से बरकरार रखा है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राज्य सरकार के लिए नई परीक्षा आयोजित करने का रास्ता साफ हो गया है।

गरीब परिवारों के सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाई गई

नई दिल्ली,9 जून। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गरीब परिवारों को सब्सिडी में मिलने वाले एलपीजी सिलेंडर की संख्या मोदी सरकार ने घटा दी है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को अब साल में सिर्फ 4 ही सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे। मोद सरकार ने गरीबों को मिलने वाली एलपीजी सिलेंडर की संख्या 5 कम कर दी है। ऐसा करने के पीछे मोदी सरकार ने गरीबों को अंतरराष्ट्रीय महंगाई की परिभाषा समझाई है। बता दें कि उज्ज्वला योजना के तहत देश में 10.60 करोड़ एलपीजी कनेक्शन दिए गये हैं। शुरुआत में लाभार्थियों को साल में 12 सब्सिडी वाले 14.2-kg सिलेंडर मिलते थे। पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर का कोटा घटाकर नौ कर दिया गया था। अब अंतरराष्ट्रीय महंगाई का हवाला देकर इसे चार सिलेंडर कर दिया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना मई 2016 में शुरू की गई थी ताकि गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को बिना डिपॉजिट वाले एलपीजी कनेक्शन दिए जा सकें. यह फैसला पश्चिम एशिया संकट की वजह से देश में एलपीजी की बढ़ती लागत होने के कारण लिया गया है. शुरुआत में साल में 12 सब्सिडी वाले 14.2-kg सिलेंडर मिलते थे. अभी तक इनको साल में नौ सिलिंडर (300 रुपये प्रत्येक सिलिंडर पर सब्सिडी) पर दिये जाते थे. सरकार का तर्क है कि अभी भी उज्ज्वला और गैर-उज्ज्वला एलपीजी ग्राहकों को 700 रुपये प्रति सिलिंडर की सब्सिडी मिल रही है. यानी चार सिलिंडर 642 और बाकी के 942 रुपये पर मिलेंगे. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव प्रवीण मल खनूजा ने कहा कि संशोधित सीमा उज्ज्वला लाभार्थियों की औसत वार्षिक गैस खपत के करीब है. सरकार का उद्देश्य लाभार्थियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए समर्थन देना है.

संपत्ति हड़प कर मां को बेसहारा छोड़ने वाले बेटे को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली,9 जून। तेलंगाना से सामने आए एक संवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 74 वर्षीय बुजुर्ग मां की संपत्ति और बैंक खाते से 1.63 करोड़ रुपये निकालने वाले बेटे को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा कि एक बेटे का अपनी मां के साथ ऐसा व्यवहार बेहद गंभीर और अशोभनीय है। मामला तब सामने आया जब बुजुर्ग विधवा मां को न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा। आरोप है कि बेटे ने मां की संपत्ति अपने नाम कराने के बाद उनसे रिश्ता तोड़ लिया, उन्हें घर छोड़ने पर मजबूर किया और उनकी सहमति के बिना संयुक्त बैंक खाते से करोड़ों रुपये निकाल लिए।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस मनमोहन और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने बेटे की याचिका पर नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के निष्कर्ष बेहद गंभीर हैं। अदालत ने बेटे को सलाह दी कि वह अपनी मां के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश करे और उनकी देखभाल करे। कोर्ट ने कहा कि "वह आपकी मां हैं, विवाद खत्म करिए और उनका सम्मान कीजिए।" बेंच ने यह भी कहा कि संपत्ति हासिल करने के बाद मां को घर छोड़ने के लिए मजबूर करना और उन्हें वापस लाने से इनकार करना बेहद गलत है।

इससे पहले तेलंगाना हाई कोर्ट ने बेटे के पक्ष में हुई गिफ्ट डीड को रद्द करते हुए संपत्ति मां को लौटाने का आदेश दिया था।

नकली शराब का भंडाफोड़

नकली होलोग्राम से चल रहा था खेल, तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़,9जून। जिले में नकली शराब के बड़े अवैध कारोबार का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने देर रात खरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धनागर से एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से बड़ी मात्रा में अवैध एवं नकली शराब, नकली होलोग्राम, पैकिंग सामग्री एवं अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। मामले में करोड़ों के राजस्व नुकसान और अंतरराज्यीय शराब तस्करी के संकेत मिले हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी झारखंड और ओडिशा से अवैध शराब लाकर उसे विभिन्न कंपनियों की ब्रांडेड अंग्रेजी शराब की बोतलों में पैक करता था। इसके बाद बोतलों पर नकली होलोग्राम और सील लगाकर उन्हें असली उत्पाद के रूप में बाजार में खपाया जाता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में शराब की सप्लाई कर रहा था। एसएसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान छापेमार कार्रवाई की गई। छापेमारी में लाखों रुपये की अवैध शराब के साथ नकली होलोग्राम, पैकिंग सामग्री और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए गए हैं। जांच एजेंसियों को यह भी जानकारी मिली है कि नकली ब्रांडिंग और अवैध बिक्री के जरिए न केवल उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा था, बल्कि शासन को आबकारी राजस्व का भी भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा था। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ में अंतरराज्यीय शराब तस्करी गिरोह से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है।

पद्म श्री से सम्मानित होंगे माधवन,सतीश शाह,व ममूटी

नई दिल्ली,9 जून। भारत के सबसे बड़े नागरिक सम्मान समारोह पद्म पुरुस्कार में इस साल 131 लोगों का नाम लिस्ट में शामिल है. इसमें से 66 लोगों को पहले ही मिल चुका है और अब बाकी की हस्तियों को 23 जून को सम्मान किया जाना है. इस लिस्ट में सिनेमा और संगीत जगत के भी कुछ लोगों का नाम शामिल है. 23 जून को होने वाले पद्म पुरुस्कार समारोह के दूसरे चरण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक्टर-फिल्ममेकर आर. माधवन, मलयालम सुपरस्टार ममूटी , दिवंगत एक्टर सतीश शाह और तेलुगु सिनेमा के दिग्गज राजेंद्र प्रसाद को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने वाली हैं.बता दें कि इस पद्म पुरुस्कार का दूसरा समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया जाएगा.

पीओके में पाकिस्तानी सेना ने खेला 'खूनी खेल'

हक मांग रहे 27 कश्मीरियों को गोलियों से भूना

करांची,9 जून। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में पाकिस्तानी सेना और सुरक्षाबलों ने खूनी खेल खेला है। हक मांग रहे कश्मीरियों को पाकिस्तानी सेना ने गोलियों से भून दिया। हमले में 27 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। पाकिस्तान सेना ने यह खूनी खेल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के शहर रावलकोट में खेला। यह खूनी खेल उस खेला गया है, जब एक दिन पहले ही 7 जून को पाकिस्तान ने कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में स्थानीय चुनाव कराए गए हैं। घटना के बाद से पूरे पीओके में तनाव चरम पर है। पूरे क्षेत्र में 9 जून यानी आज बंद का आह्वान किया गया है। प्रदर्शन से निपटने के लिए पाक सरकार 14 हजार सैनिकों की फौज पाक अधिकृत कश्मीर में भेज रही है। जबकि 5 जून से पूरे पीओके में इंटरनेट बंद है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग पाकिस्तान की सरकार और सेना के खिलाफ महंगाई, रिफ्यूजी सीट बर्खास्त करने और वादखिलाफी करने समेत 38 मांगों को लेकर स्थानीय संगठन जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। यह संगठन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बदहाली के लिए वहां की सेना को जिम्मेदार ठहराता है। अपनी 38 मांगों को लेकर काफी समय से आंदोलन कर रहा है।

हाथी ने पति-पत्नी को कुचला

बलरामपुर,9 जून। जंगली हाथी का आतंक देखने को मिला है, जहां मंगलवार सुबह एक दंतैल हाथी ने पति और पत्नी को कुचलकर मार डाला। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। यह घटना राजपुर वन परिक्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी आज सुबह 5 बजे के आसपास शौच के लिए बाहर जा रहे थे, तभी कुंदी कला गांव के बांधपारा जंगल के पास उनका सामना दल से भटके एक दंतैल हाथी से हो गया। हाथी ने दोनों को देखते ही बुरी तरह से कुचल दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से कल्याणपुर क्षेत्र में पांच हाथियों का दल भ्रमण कर रहा है। इसी दल से भटके दंतैल हाथी ने दंपति को अपना निशाना बनाया। सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

पिता को मारकर लाश के टुकड़े-टुकड़े कर बाल्टियों में भरने के आरोपी बेटा-बेटी को फांसी की सजा

पत्नी को उम्रकैद

हैदराबाद,9 जून। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में रेलवे कर्मचारी पिता को मारकर लाश के टुकड़े-टुकड़े कर बाल्टियों में भरने वाले बेटा-बेटी को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। वहीं इस हत्याकांड में साथ देने वाली पत्नी को भी उम्रकैद की सजा सुनाई है। हैदराबाद रिटायर रेलवे कर्मचारी हत्याकांड में हैदराबाद कोर्ट ने ने फैसला सुना दिया है। कोर्ट ने सोमवार को दिए फैसले में बेटा और बेटी को सूली पर लटकाने की सजा सुनाई। जबकि उसकी पत्नी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दरअसल ये पूरा मामला 70 वर्षीय रेलवे के रिटायर कर्मचारी की हत्या का है। कर्मचारी का बेटा (47) और बेटी (36) ने सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारी पिता के पेंशन और घर पर कब्जा करने के लिए खौफनाक साजिश रच डाली थी। इस काम में उसकी मां ने भी साथ दिया। तीनों आरोपियों ने मिलकर पहले खाने में जहर मिलाकर शख्स को खिला दिया। मौत होने के बाद शव के टुकड़े-टुकड़े करके उसे घर में बाल्टियों में भर दिया। हालांकि आरोपी शव को ठिकाने नहीं लगा पा रहे थे।

हालांकि घर से तेज दुर्गंध आने के बाद 18 अगस्त, 2019 को कुछ लोगों ने शक होने पर घर में प्रवेश किया तो उन्हें वहां मानव अवशेष मिले। इसके बादउन्होंने पुलिस को सूचना दी। मामले की जांच के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को 21 अगस्त, 2019 को गिरफ्तार कर लिया। तेलंगाना से आई इस घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया था। पैसों और प्रॉपर्टी के लालच में आज इंसान इतना अंधा हो गया कि लालच में वो अपनों का खून बहाने में भी हिचक नहीं रहा है। 6 साल पुराने मामले में अब मल्काजगिरि स्थित न्यायालय के प्रधान जिला न्यायाधीश ने फैसला सुना दिया है। सोमवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने बेटा-बेटी को फांसी की सजा सुनाई। वहीं मृतक की पत्नी को आजीवन भर कैद की सजा सुनाई।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दिव्यांग नंदकुमार को स्कूटी प्रदान की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 9 जून। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा की संवेदनशील कार्यशैली और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण कबीरधाम जिले में देखने को मिला। जिले के विकासखंड बोड़ला अंतर्गत ग्राम भलपहरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ग्राम बोरियाकांपा निवासी दिव्यांग नंदकुमार पटेल ने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई और आवागमन की सुविधा के लिए स्कूटी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। नंदकुमार पटेल की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। उनके निर्देशों के अनुरूप आज उन्होंने अपने कवर्धा स्थित निवास कार्यालय में खुद नंदकुमार को सहायक उपकरण वाली स्कूटी प्रदान की। उन्होंने नंदकुमार को स्कूटी

चलाने का प्रशिक्षण भी दिया। स्कूटी प्राप्त करने के बाद नंदकुमार की खुशी का ठिकाना नहीं था। उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों, सामाजिक गतिविधियों तथा आवश्यक कार्यों के लिए आने-जाने में काफी सुविधा होगी। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और वे अधिक स्वतंत्रता के साथ अपने कार्य कर सकेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं और सहायता का लाभ पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में शासन पूर्ण प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों, जरूरतमंदों और वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। समय पर मिली छोटी-सी सहायता भी किसी व्यक्ति के जीवन में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।

इलेक्ट्रिकल लैब में शुरू हुआ अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण

भिलाई, 9 जून। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में स्थापित अत्याधुनिक एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल लैब में प्रशिक्षण गतिविधियों की शुरुआत की गई। इस अवसर पर इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रिकल फंडामेंटल्स विषय पर प्रथम पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक प्रबीर कुमार सरकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

समाचार संक्षेप

धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जून। वाहन विक्रय के नाम पर कथित धोखाधड़ी करने के मामले में पद्मनाभपुर थाने पुलिस ने रायपुर निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है? शिकायतकर्ता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है पद्मनाभपुर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि शिकायतकर्ता अपने परिजन के नाम पंजीकृत वाहन को बेचने के लिए एक निजी वाहन खरीद-बिक्री प्लेटफॉर्म के माध्यम से प्रक्रिया शुरू की थी वाहन के विक्रय होने की जानकारी मिलने के बाद भी वाहन के स्वामित्व हस्तांतरण, स्क्रैप प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए साथ ही वाहन की वर्तमान स्थिति के संबंध में भी संतोषजनक जानकारी नहीं दी गई दस्तावेजों की जांच में सामने आई गड़बड़ी प्रकरण में प्राप्त आवेदन, दस्तावेजों और अन्य तथ्यों की जांच के दौरान प्रथम दृष्ट्या धोखाधड़ी और छलपूर्वक कृत्य किए जाने के संकेत मिले इसके आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4) एवं 316 (2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की जांच के दौरान पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने संजय कुमार पटेल (44 साल), निवासी शिव विहार कॉलोनी, थाना अमानाका, जिला रायपुर को गिरफ्तार कर लिया आर्थिक लाभ के लिए भ्रामक जानकारी देने का आरोप पुलिस का कहना है कि आरोपी पर वाहन विक्रय एवं स्वामित्व हस्तांतरण प्रक्रिया को लेकर कथित रूप से भ्रामक जानकारी देकर आर्थिक लाभअर्जित करने का आरोप है पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया पुलिस ने बताया कि इस मामले की आगे की विवेचना जारी है।

अवैध रूप से शराब बेचने वालों पर कार्रवाई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जून। ग्रामीण एएसपी मणिशंकर चन्द्रा ने बताया कि मुखबिर सूचना के आधार पर जिले के उतईए जामगांव आरए छावनी नगपुरा, जेवरा सिरसा, सुपेला, धमधा एवं नेवई थाना चौकी क्षेत्रों में अलग-अलग दबिश देकर अवैध शराब बिक्री करने वाले चेलाराम देशलहरे 43 साल ग्राम गोल पेण्ड्री, उतई, बिरजूराम ठाकुर 42 साल ग्राम तिलोदा रनचिरई उतई, दुकालूराम बघेल 50 साल ग्राम तिलोदा रनचिरई, मुकेश कुमार साह उर्फ फुरूरी 34 साल गुढ़ियारी, जामगांव आरए शेख सत्तार 55 साल कसाई मोहल्ला, छावनी, शिव पारधी 24 साल खुर्सीडीह नगपुरा पुलगांव, संतोष ठाकुर 38 वर्ष बोड़ेगांव जेवरा सिरसा पुलगांव, चन्द्रशेखर मरकाम 42 साल फरीद नगर सुपेलाए यशवंती भारती 24 साल परकोल धमधा व सोहन माण्डलेए 62 साल नेवई को गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 310 पौवा से अधिक अवैध देशी मदिराए शराब बिक्री से प्राप्त नगदी रकम एवं अवैध शराब बिक्री में प्रयुक्त 02 मोटर साइकिल जब्त की है। सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 34.2 आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

शराब पीने के लिए पैसे मांगने वाले गिरफ्तार

भिलाई, 9 जून। कार सवार को जबरन रोक कर शराब पीने के लिए रकम का डिमांड करने वाले चार युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है पद्मनाभपुर टीआई राजकुमार लहरे ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पद्मनाभपुर थाने पुलिस ने प्रफुल्ल सक्सेना, आनंद सक्सेना के साथ कार सीजी 07 सीके 9472 से डी-मार्ट पोटिया रोड, दुर्ग की ओर जा रहा था। हटरी बाजार बोरसी स्थित शनि देव मंदिर के पास पहुंचते ही शिवपारा बोरसी निवासी गणेश्वर निषाद, महेश्वर निषाद, शिवपारा गुलशन सोनवानी, विवेक सोनवानी ने कार को रोक दिया इस दौरान युवकों ने पीड़ित को शराब पीने के लिए रकम का डिमांड किया। रकम नहीं मिलने पर उनके साथ गाली गलौत कर मारपीट किया। पुलिस में शिकायत के बाद चारों युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है ।

महापौर और आयुक्त निरीक्षण कर सफाई व पेयजल व्यवस्था के दिए निर्देश

दुर्ग, 9 जून। नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 36 के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण कर नाला-नाली सफाई, पेयजल व्यवस्था, अतिक्रमण हटाने तथा मानसून पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के पूर्व सभी प्रमुख नालों एवं नालियों की सफाई प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण की जाए। ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने गंजपारा गली नंबर-1 में स्थित छोटी नाली का अवलोकन कर उसकी शीघ्र सफाई कराने के निर्देश दिए।

एक नजर

जुआ खेलते 15 लोग गिरफ्तार

भिलाई, 9 जून (तछसं.)। भिलाई पुलगांव थाने पुलिस ने जुआ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंकी रिजॉर्ट गोकुलधाम के पीछे संचालित जुआ फड़ पर दबिश देकर 15 लोगों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने मौके से 1.82 लाख रुपए नकद, ताश पत्ती, बाइक और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त सामग्री का कुल मूल्य 4.34 लाख रुपए आंका गया है पुलगांव प्रभारी गुरविंदर सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर छापेमार कार्रवाई की मौके पर 15 व्यक्ति रुपए-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलते मिले, जिन्हें तत्काल हिरासत में लिया गया उनके कब्जे से 1,82,000 रुपए नकद, 52 पत्ती ताश, 12 बाइक, 17 मोबाइल फोन तथा दो की पैड मोबाइल बरामद किए गिरफ्तार आरोपियों में सोनू चौहान, फिरोज खोखर, शब्बीर खान, मोहम्मद जावेद, मोहम्मद जुनैद, पारस चंद्राकर सहित कुल 15 लोग शामिल हैं सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

हेरोइन सहित महिला गिरफ्तार

भिलाई, 9 जून (तछसं.)। भिलाई एक निर्माणाधीन स्कूल के पास अवैध रुप से हेराइन (चिट्टा) बेचने वाली एक महिला को जामुल पुलिस ने गिरफ्तार किया है उसके कब्जे से लगभग 10 लाख का हेराइन जब्त किया है जामुल टीआई रामेंद्र सिंह ने बताया कि नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को थाना जामुल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक महिला निर्माणाधीन बीएनएस स्कूल, हाउसिंग बोर्ड के पास अवैध रूप से हेरोइन (चिट्टा) रखकर उसकी बिक्री कर रही है सूचना पर थाना जामुल पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर कार्रवाई की संदिग्ध महिला को चिन्हित कर महिला आरक्षक की उपस्थिति में तलाशी ली गई तलाशी के दौरान आरोपी महिला राजविन्दर कौर (25 साल) निवासी एलआईजी / 312, हाउसिंग बोर्ड के कब्जे से 49.8 ग्राम हेरोइन (चिट्टा), मादक पदार्थ बिक्री से प्राप्त 1,000 रुपये नगद एवं एक कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। बरामद सामग्री की कुल अनुमानित कीमत लगभग 9,97,300 रुपये है प्रकरण में आरोपी महिला के विरुद्ध थाना जामुल में धारा 21 (बी), 27 (ए) एनडीपीएस एक्ट के मौके पर तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 17 जून को, 2029 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग, 9 जून । जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दुर्ग और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 जून 2026 (बुधवार) को एक वृहद जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन खम्हरिया, भिलाई स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में किया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक से मिली जानकारी के अनुसार, इस रोजगार मेले में कुल 10 प्रतिष्ठित नियोजकों की ओर से तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणी के कुल 2,029 रिक्त पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

शहर में भीषण गर्मी का दौर जारी, शाम तक बादल छाए रहेंगे, 11 से बारिश के आसार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जून। शहर में गर्मी का असर बरकरार है। शाम तक बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से 11 से 22 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मध्यम हवा चल सकती है, जिससे गर्मी के बावजूद कुछ राहत महसूस होगी। हालांकि तेज धूप और उमस के कारण बाहर निकलने वालों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। शाम के समय तापमान में थोड़ी गिरावट आकर 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। इस दौरान पश्चिमी हवा 18 से 22

किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में नमी बढ़ने से लोगों को हल्की उमस महसूस हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल वर्षा की संभावना नहीं है, लेकिन आसमान में बादलों की मौजूदगी बनी रहेगी। 11 जून से प्रदेश में मेघ गर्जन की गतिविधियों में और वृद्धि हो सकती है। साथ ही दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अगले दो से तीन दिनों में परिस्थितियां अनुकूल रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके साथ ही पूर्वी उत्तर प्रदेश से उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा होते हुए उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक एक द्रोणिका (ट्रफ लाइन) बनी हुई है, जिसका प्रभाव प्रदेश के मौसम पर दिखाई देगा। विभाग ने बताया है कि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में किसी बड़े परिवर्तन की संभावना नहीं है। हालांकि कई क्षेत्रों में बादल छाने, गरज-चमक और तेज हवाओं के कारण गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

नैनो उर्वरकों ने बढ़ाया किसान का विश्वास कम लागत में मिला बेहतर उत्पादन

दुर्ग, 9 जून । आधुनिक और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर प्रदेश के किसान अब अपनी खेती को अधिक लाभकारी बना रहे हैं। इसी कड़ी में दुर्ग जिले के ग्राम डूंडेरा के प्रगतिशील किसान श्री पुरेंद्र कुमार यादव ने अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग कर खेती में सकारात्मक और अनुकरणीय परिणाम प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में नैनो उर्वरकों का प्रयोग करने से उनकी फसल को संतुलित पोषण मिला, जिससे पौधों की वृद्धि बेहतर हुई और उत्पादन में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।यादव के अनुभवों के अनुसार, पारंपरिक बोरा बंद उर्वरकों की तुलना में नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग से खेती की लागत में भारी कमी आई है। बेहद कम मात्रा में उपयोग होने के बावजूद फसल को आवश्यक पोषक तत्व अधिक प्रभावी रूप से प्राप्त हुए।

भाजपा जामुल मंडल में कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल,9 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा जामुल मंडल द्वारा मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश देते हुए पर्यावरण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में भाजपा भिलाई जिला उपाध्यक्ष पूनम शुक्ला कार्यक्रम प्रभारी के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण और पौधों के संरक्षण का आह्वान किया। इस अवसर पर किसान मोर्चा रायपुर संभाग प्रभारी एवं पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर, जिला सह कोषाध्यक्ष हेमंत देवांगन, वरिष्ठ पार्षद कविता बिस्वाल, राजेश्वरी रेड्डी, ओमप्रकाश साहू, ध्रुव देवांगन, जितेंद्र साहू, सुभाष पांचाल, सरस बर्मन, मेघनाथ साहू, रामचंद्र साहू, दीपक सिंह, राकेश वर्मा, सोनू यादव, अनूप राय, योगिता साहू, फुलेश्वरी निर्मलकर, प्रहलाद जंघेल, रामकृष्ण साहू, हेमंत बिसवाल, अरुणा देवांगन और यशवंत राजपूत सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समर कैंप के समापन पर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

भिलाई, 9 जून। खुर्सीपार और कैंप क्षेत्र के बच्चों के लिए कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित एक माह लंबे समर कैंप का समापन उत्साह और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ। 9 मई से 7 जून तक चले इस कैंप में करीब 700 बच्चों ने क्रिकेट, फुटबॉल, योग, कराते, एथलेटिक्स और फिजिकल ट्रेनिंग जैसी गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को निखारा। समापन समारोह का आयोजन खुर्सीपार स्थित श्रीराम चौक दशहरा मैदान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि खुर्सीपार में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन देने की है। उन्होंने बच्चों को खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सुमित सिंह ने स्वागत भाषण में कहा कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों को खेलों से जोड़ना और उनमें टीम भावना, नेतृत्व क्षमता तथा सकारात्मक सोच विकसित करना है।

सेक्टर-9 अस्पताल को मिली ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल की राष्ट्रीय मान्यता

भिलाई, 9 जून। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र को ब्रेस्टफीडिंग फ्रेंडली हॉस्पिटल की मान्यता प्रदान की गई है। यह मान्यता ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई) और एसोसिएशन ऑफ हेल्थ प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) द्वारा दी गई है। यह मान्यता 4 जून 2029 तक प्रभावी रहेगी। इसके साथ ही जेएलएन अस्पताल देश के उन चुनिंदा स्वास्थ्य संस्थानों में शामिल हो गया है, जो नवजात शिशुओं और माताओं को स्तनपान आधारित देखभाल के सर्वोच्च मानकों के अनुरूप सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अस्पताल ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित

सफल स्तनपान के दस चरण तथा भारत सरकार के माँ कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन कर यह उपलब्धि हासिल की है। मान्यता के तहत जन्म के पहले घंटे में स्तनपान की शुरुआत, माँ और शिशु के बीच त्वचा से त्वचा संपर्क, रूमिंग-इन व्यवस्था तथा स्तनपान पर विशेषज्ञ परामर्श जैसी व्यवस्थाओं को विशेष रूप से सराहा गया। इस उपलब्धि के पीछे मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी, डॉ. कौशलेन्द्र ठाकुर और डॉ. उदय कुमार के नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं डॉ. सम्बिता पांडा, डॉ. सुबोध साहा तथा बीएफएचआई समन्वयक डॉ. माला चौधरी ने पूरी प्रक्रिया को सफल बनाने में योगदान दिया। अस्पताल प्रशासन ने श्रीमती शैला अब्राहम सहित प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के चिकित्सकों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों की भी सराहना की।

एक शाम बशीर बद्र के नाम गजल संध्या आयोजित

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 9 जून। पद्मश्री स्वर्गीय डॉ. बशीर बद्र की स्मृति में महात्मा गांधी कला मंदिर में एक शाम बशीर बद्र के नाम ग़ज़ल संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक पवन कुमार थे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार उपस्थित रहे।इस अवसर पर सेल के भूतपूर्व निदेशक गणतंत्र ओझा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अधिकारी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर तथा उप महाप्रबंधक एवं ओलंपियन राजेंद्र प्रसाद सहित बड़ी संख्या में साहित्य एवं संगीत प्रेमियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। ग़ज़ल संध्या का शुभारंभ युवा ग़ज़ल गायक परन राज भाटिया की प्रस्तुति से हुआ। उन्होंने डॉ. बशीर बद्र की चर्चित ग़ज़लों को अपनी मधुर एवं प्रभावशाली आवाज़ में प्रस्तुत किया। इसके पश्चात अंतरराष्ट्रीय भजन एवं ग़ज़ल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी ने अपनी प्रस्तुति दी। मुख्य प्रस्तुति सुप्रसिद्ध ग़ज़ल गायिका डॉ. साधना रहाटगांवकर द्वारा दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पवन कुमार ने डॉ. बशीर बद्र की लोकप्रिय ग़ज़ल यूँ ही बेसबब न फिरा करो, कोई शाम घर में रहा करो; ये ग़ज़ल की सच्ची किताब है, इसे चुपके-चुपके पढ़ा करो को अपने सहज एवं प्रभावी अंदाज़ में प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने अत्यंत सराहा। संगीतमय संध्या को सफल बनाने में खैरागढ़ एवं भिलाई के ख्यातिप्राप्त संगतकारों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। तबले पर अवध सिंह ठाकुर, सारंगी पर शफीक हुसैन, बांसुरी पर बिहारी तारम, तबले पर भालचंद्र शेगेकर एवं रामचंद्र सर्पे तथा की-बोर्ड पर साई चक्रवर्ती ने उत्कृष्ट संगत प्रदान की।

कलेक्टर ने किया नील-हरित काई उत्पादन टांकों का निरीक्षण

दुर्ग,9 जून । कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज धमधा विकासखण्ड के ग्राम ढोर एवं डूमर पहुंचकर नील-हरित काई उत्पादन टांकों का निरीक्षण किया तथा किसानों से चर्चा कर इसके लाभों की जानकारी ली। जिले में किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मृदा स्वास्थ्य सुधारने के उद्देश्य से नील-हरित काई (ब्लू ग्रीन एल्गी-बीजीए) उत्पादन एवं उपयोग अभियान चलाया जा रहा है। जिले में वर्तमान में लगभग 217 नील-हरित काई उत्पादन टांकों का निर्माण किया गया है। यह तकनीक किसानों के लिए बेहद उपयोगी और किफायती है, जिसे वे अपने घर या खेत की खाली भूमि पर कम खर्च में तैयार कर सकते हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान किसानों को अधिक से अधिक संख्या में इस नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया ।

देवांगन समाज भवन के उन्नयन कार्य का भूमिपूजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जामुल,9 जून। नगर पालिका जामुल क्षेत्र में सामाजिक अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर ने वार्ड क्रमांक-16 स्थित देवांगन समाज भवन में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। लगभग 4 लाख रुपये की लागत से भवन में शौचालय, किचन एवं टाइल्स लगाने सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद चुम्मन वर्मा सहित जगदीश देवांगन, अमरनाथ देवांगन, रामू देवांगन, हेमंत देवांगन, राजेंद्र देवांगन, वीरेंद्र देवांगन, टोनू देवांगन, अजय देवांगन, राकेश देवांगन, संदीप देवांगन, गौरीशंकर देवांगन, कैलाश देवांगन, आशीष देवांगन, रोशन देवांगन, कोमल देवांगन, शिवनंदन देवांगन, अनिल देवांगन, किरण देवांगन, नेहा देवांगन, दीप्ति देवांगन, गणेश देवांगन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

60 लाख के प्रधानमंत्री जनमन योजना भवन का उद्घाटन रोकने परजिला पंचायत अध्यक्ष ने उठाए गंभीर सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मगरलोड 9 जून। ग्राम पंचायत खड़मा एवं सिंगपुर में प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत लगभग 60 लाख रुपये की लागत से निर्मित बहुउद्देशीय केंद्र भवन के लोकार्पण कार्यक्रम को प्रशासन द्वारा निरस्त किए जाने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा है कि जिस भवन का विधिवत लोकार्पण नहीं हुआ था, उसी भवन में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जनसमूह के साथ कार्यक्रम आयोजित करना समझ से परे है और यह अनेक प्रश्नों को जन्म देता है।

अरुण सार्वा ने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित यह बहुउद्देशीय केंद्र क्षेत्र की जनता को समर्पित किया जाना था। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति प्रस्तावित थी तथा ग्रामीणों में भी इसे लेकर उत्साह का माहौल था। किंतु अंतिम समय में प्रशासन द्वारा लोकार्पण कार्यक्रम को निरस्त कर दिया गया। इसके बाद आश्चर्यजनक रूप से प्रशासनिक अमला उसी भवन में पहुंचा और वहां जनसमूह की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि यदि भवन उद्घाटन योग्य नहीं था या किसी कारणवश लोकार्पण कार्यक्रम स्थगित किया गया था, तो फिर उसी भवन में प्रशासनिक कार्यक्रम आयोजित करने का औचित्य क्या था? और यदि भवन उपयोग के लिए पूरी तरह तैयार था, तो फिर जनता और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को रोकने का कारण क्या था? प्रशासन को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि यह केवल एक भवन का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक परंपराओं और जनप्रतिनिधियों के सम्मान से जुड़ा हुआ मामला है। विकास कार्य जनता के धन से निर्मित होते हैं और उनका लोकार्पण जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों की उपस्थिति में होना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कार्यक्रम को निरस्त कर बाद में उसी भवन में प्रशासनिक आयोजन करना उचित प्रतीत नहीं होता। अरुण सार्वा ने कहा कि खड़मा और सिंगपुर के ग्रामीणों के बीच भी इस घटनाक्रम को लेकर असमंजस और नाराजगी है। ग्रामीण यह जानना चाहते हैं कि जिस भवन का उद्घाटन नहीं हुआ, उसमें कार्यक्रम किस नियम और अधिकार के तहत आयोजित किया गया। प्रशासन को पूरे घटनाक्रम पर सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करना है। ऐसी महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत निर्मित भवन के लोकार्पण को लेकर उत्पन्न यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है और इसकी निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। अरुण सार्वा ने कहा कि यह मामला केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहेगा। पूरे घटनाक्रम की शिकायत छत्तीसगढ़ शासन के प्रभारी मंत्री, आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के मंत्री, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश एवं राष्ट्रीय संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा माननीय प्रधानमंत्री कार्यालय (क्क्र) को भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा एवं प्रशासनिक मनमानी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी।

उन्होंने कहा कि जनहित और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए इस विषय को गंभीरता से उठाया जाएगा। जनता के बीच भ्रम की स्थिति उत्पन्न करने वाले ऐसे निर्णयों से बचना प्रशासन की जिम्मेदारी है। विकास कार्यों को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय प्रशासन को पारदर्शिता, निष्पक्षता और जनप्रतिनिधियों के सम्मान के साथ कार्य करना चाहिए।

एक नजर

केबल वायर चोरी करने वाले 2 आरोपियो को पुलिस ने किया गिरफ्तार -थाना प्रभारी रमाकांत तिवारी

तिल्दा नेवरा 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। थाना प्रभारी रमा कांत तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेन्द्र शर्मा के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दाऊजी फर्म्स प्रा0लि0 तुलसी नेवरा से केबल वायर कापर एवं एल्युमिनियम का केबल वायर को अज्ञात आरोपियो के द्वारा चोरी कर लिये है जिसकी रिपोर्ट पर थाना तिल्दा नेवरा पुलिस ने पूर्व में ही आरोपीगण सूरज देवार पिता टिंगली देवार ,श्रीमती रूपा देवार पति सूरज देवार श्रीमती आपा देवार पति स्व0 राजा देवार , दलाल तालाब के पास तिल्दा को धारा 331(3), 305(ए), 3(5) बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर उनके सहयोगी आरोपी भकानंद उर्फकिशन देवार एवं उसकी पत्नि श्रीमती आरती देवार उर्फ कजनीन देवार की पता तलाश किया जा रहा था जिन्हें थाना तिल्दा नेवरा के विश्वस्त मुखबिरो के सूचना पर हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया।

सफाई कर्मचारियों ने सिमगा में मुक्तिधाम की सफाई की

सिमगा 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिका परिषद सिमगा में मुक्तिधाम की पूरी साफ सफाई कराई गई जिसमें जनप्रतिनिधियों और नगर पालिका परिषद के अधिकारी और सफाई कर्मचारी के साथ सभी जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया सफाई करने के लिए। जिसमे अध्यक्ष प्रतिनिधि युवा नेता करन भाटिया ने कुछ स्वच्छता अभियान के बारे में दो शब्द बोले,,स्वच्छता का मुख्य उद्देश्य एक स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण का निर्माण करके मानव जीवन की रक्षा करना है। यह बीमारियों को फैलने से रोकता है, व्यक्तिगत और सामाजिक स्वास्थ्य को सुधारता है,हर दिन कूड़े का एक टुकड़ा उठाएँ । अपनी कार या मनोरंजन वाहन में कूड़े का थैला रखें ताकि आप कूड़े का सही निपटान कर सकें। अवैध रूप से कूड़ा फेंकने और गंदगी फैलाने के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने जलमार्ग में कूड़ा इकट्ठा करने की प्रतियोगिता आयोजित करें। इस अवसर में जैसे युवा नेता करन भाटिया मुख्य नगर पालिका अधिकारी शशिभूषण श्रीवास्तव ,उपाध्यक्ष नगर पालिका विकास सोनकर, सभापति एवं पार्षद अविनाश दास नेता प्रतिपक्ष सचिन जैन, पार्षद विष्णु जायसवाल , पार्षद रूजून सोनकर पार्षद प्रतिनिधि अनूप तिवारी पार्षद टैबू देवांगन युवा नेता नीरज ठाकुर एवं समस्त पत्रकार गण मौजूद थे।

एआई+ ने नोवा2 नियो और प्रो के लिए लॉन्च से पहले शुरू की ओपन समीक्षा

रायपुर 9 जून। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में एक नई पहल करते हुए एआई+ स्मार्टफोन ने घोषणा की है कि उसके आगामी नोवा2 नियो और नोवा2 प्रो स्मार्टफोन बिक्री से पहले देशभर के रिव्यूअर्स, कंटेंट क्रिएटर्स, पत्रकारों और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञों को समीक्षा के लिए उपलब्ध कराए जाएंगे। कंपनी का उद्देश्य उपभोक्ताओं तक उत्पाद पहुंचाने से पहले उसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र समीक्षा सुनिश्चित करना है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि समीक्षा प्रक्रिया पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं होगा। न कोई रिव्यू गाइडलाइन दी जाएगी और न ही पहले से तय संदेश। समीक्षक स्मार्टफोन के प्रदर्शन, कैमरा, बैटरी, सॉफ्टवेयर, डेटा ट्रांसफर और समग्र उपयोगकर्ता अनुभव जैसे सभी पहलुओं का स्वतंत्र रूप से परीक्षण कर सकेंगे। एआई+ स्मार्टफोन के सीईओ एवं एनएक्सटीक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजीज के संस्थापक माधव शेठ ने कहा कि कंपनी केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि ईमानदार और निष्पक्ष फीडबैक चाहती है। उनका कहना है कि यदि उत्पाद में कोई कमी है तो उसके बारे में उपभोक्ताओं के खरीदने से पहले जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि उसे बेहतर बनाया जा सके। कंपनी के अनुसार, समीक्षा के लिए डिवाइस मिलने के बाद समीक्षकों को अपने विचार साझा करने के लिए सात दिन का समय दिया जाएगा। इस अवधि के पूरा होने तक नोवा2 नियो और नोवा2 प्रो की बिक्री शुरू नहीं की जाएगी। सकारात्मक या आलोचनात्मक, हर तरह की प्रतिक्रिया को कंपनी पारदर्शिता और निरंतर सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा मानते हुए स्वीकार करेगी।

वनांचल क्षेत्र के बच्चों की नैसर्गिक क्षमता, प्रतिभा एवं आत्मविश्वास हो रहा अभिव्यक्त : डॉ. रमन सिंह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 9 जून। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह आज स्पीकर हाऊस राजनांदगांव में छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य हेतु आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज यहां दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से आए वनांचल क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया है, जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। ऐसे बच्चों को मंच में सुनकर यह महसूस होता है कि एक आत्मविश्वास कैसे जाग्रत होता है। दूरस्थ वनाचंल क्षेत्रों में उनके अभिभावक तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य करते हैं। जहां सुविधाओं की कुछ कमी के बावजूद ये अपने परिश्रम से उत्कृष्ट अंक लेकर आते है और अध्ययन के क्षेत्र में शहर के बच्चों को चुनौती देते हैं तथा आगे बढ़ते हैं। जो उनकी नैसर्गिक क्षमता, प्रतिभा एवं आत्मविश्वास को अभिव्यक्त करती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से कहा कि लक्ष्य बनाकर चलें और मेहनत एवं लगन से पढ़ाई करें। उन्होंने कहा कि केवल डॉक्टर व इंजीनियरिंग ही नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रोफेसर, वकील, शिक्षक एवं समाज के अन्य क्षेत्रों में सेवा करते हुए देश के विकास में अपना योगदान दें।

उन्होंने बताया कि वनवासी भाई-बहनों के तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान कंकड़ के चुभने से संक्रमण फैल जाता था। इससे बचाव के लिए चरण पादुका योजना लायी गई। जंगल में निवास करने वाले वनवासियों को चप्पल दिए गए। उन्होंने बताया कि प्रयास विद्यालय दंतेवाड़ा में प्रारंभ किया गया था एवं एजुकेशन हब के माध्यम से बड़ी संख्या में बच्चे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा तेंदूपत्ता की दर में वृद्धि की गई है। प्रतिमानक दर 1000 रूपए से बढ़ाकर 5500 रूपए की गई है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सफलता के नए आयाम प्राप्त करें। विधानसभा अध्यक्ष ने इस दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने बालिका नम्रता नेताम एवं प्रेरणा साहू को निःसंकोच होकर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात कहने के लिए हौसला बढ़ाया। बालिकाओं ने बताया कि वे डॉक्टर बनना चाहती हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि डॉक्टर बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अपनी सेवाएं दें। विधानसभा अध्यक्ष ने हितेश को लकी क्वाईन दिया और अच्छे से मन लगाकर पढने के लिए कहा।

महापौर श्री मधुसूदन यादव ने कहा कि तेंदूपत्ता के लाभांश की राशि छात्रवृत्ति की राशि का सदुपयोग करते हुए बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। शासन की योजना अंतर्गत चरण पादुका, साड़ी वितरण, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, प्रयास आवासीय विद्यालय के माध्यम से वनवासियों के जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए कार्य किया गया। वही बच्चों की शिक्षा के लिए भी कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि सरकार जनमानस के जीवन स्तर को अच्छा बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से आगे बढ़ें और विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देकर देश सेवा का कार्य करें। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने कहा कि वनांचल क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा देने के लिए छात्रवृत्ति हेतु शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत अच्छी पहल की गई है। जिससे शैक्षणिक कार्य में बच्चों को मदद मिल रही है। आर्थिक तौर पर कमजोर तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार के लिए यह राशि मददगार है।

वनमंडलाधिकारी श्री आयुष जैन ने तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के लिए शिक्षा प्रोत्साहन योजना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लघु वनोपज तेंदूपत्ता, जिसे हरा सोना भी कहा जाता है। ग्रामीण परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण स्त्रोत है। वर्ष 2026 के तेंदूपत्ता संग्रहण सत्र में जिले में कुल 16517.502 मानक बोरा तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया गया है। संग्रहण कार्य में कुल 18412 संग्राहक परिवार भाग लिया।

भाजपा कौशलपुर मंडल की बैठक में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर चर्चा की गई

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 9 जून। आज भारतीय जनता पार्टी जिला बलौदाबाजार-भाटापारा अंतर्गत कौशलपुर मंडल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला अध्यक्ष श्री आनंद यादव जी, जिला उपाध्यक्ष श्री केजुराम बघेल जी, मंडल अध्यक्ष श्री नारायण साहू जी, मंडल महामंत्री द्वय श्री दिलीप चक्रधारी जी शशि आनंद बंजारे जी, गोपाल शुक्ला जी, छत्तीसगढ़ प्रदेश राइस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प प्रकोष्ठ सहसंयोजक हेमसिंह चौहान जी, लखन अग्रवाल जी, संतोष साहू जी, नंदकुमार मण्डले जी, विनोद मिश्रा जी,दौलत साहू जी, रोशन साहू जी, रामकुमार साहू जी,नारायण पाल जी,ईश्वर साहू जी,रूपेंद्र यदु जी, रिखी साहू जी, लोकेश साहूजी,मनरखन यदु जी, सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में भारत के यशस्वी एवं जनप्रिय प्रधानमंत्री Narendra Modi के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल एवं ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी, गरीब कल्याणकारी एवं लोकहितकारी योजनाओं की उपलब्धियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ के मूल मंत्र के अनुरूप केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही कार्यकर्ताओं से आह्वान किया गया कि वे घर-घर जाकर सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाएं तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य करें।

थाना प्रभारी ने बैठक में क्षेत्र के ऑटो ई-रिक्शाचालकों को नियम पालन करने को कहा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 9 जून। तिल्दा थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानो पे संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा वाहनो के चालकों की बैठक लेकर आवश्यक दस्तावेज / वाहन की भौतिकी परीक्षण की गई। बैठक में उपस्थित आये चालकों को यूनिक नंबर पंजीयन यातायात नियमों का पालन / शराब पीकर वाहन नहीं चलाने व अन्य आवश्यक समझाइश दी गई। थाना प्रभारी रमा कांत तिवारी ने चालकों को बताया कि पुलिस द्वारा चलाए जा रहे पंजीयन अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा वाहनों का सही रिकॉर्ड तैयार करना है। इससे वाहन मालिकों एवं चालकों की जानकारी पुलिस के पास उपलब्ध रहेगी, जिससे सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि कई बार यात्रियों का सामान वाहन में छूट जाता है या किसी आपराधिक घटना में वाहन का उपयोग होने की स्थिति बनती है, ऐसे मामलों में पंजीयन डाटा की मदद से संबंधित वाहन और

चालक तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा। इससे आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ वाहन चालकों को भी लाभ मिलेगा। बैठक के दौरान सभी चालकों को अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन नंबर एवं वाहन से संबंधित दस्तावेजों की जानकारी देकर जल्द से जल्द पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही बिना दस्तावेज वाहन न चलाने, निर्धारित नियमों का पालन करने, यात्रियों से अच्छा व्यवहार रखने एवं सड़क सुरक्षा का ध्यान रखने की अपील की गई। थाना प्रभारी रमा कांत तिवारी ने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वाले और बिना पंजीयन वाहन चलाने वालों के खिलाफआगामी समय में मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी ! तिल्दा पुलिस ने सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों से पुलिस प्रशासन के इस अभियान में सहयोग करने की अपील की गई।इस दौरान तिल्दा-नेवरा क्षेत्र के बड़ी संख्या में ऑटो चालक, ई-रिक्शा चालक एवं पुलिस स्टाफमौजूद रहे।

मोहल्ले में गाली गुप्तार करने से मना करने पर मारपीट करने वाला गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। तिल्दा नेवरा थाना प्रभारी रमा कांत तिवारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 22 तिल्दा आरोपीगण के द्वारा मोहल्ले मे गाली गुप्तार करने से मुकेश कोसले के द्वारा मना करने की बात को लेकर मां बहन की गंदी गंदी गाली गुप्ता कर जान से मारने की धमकी देते हुए शिर्डी के पास धक्का देने से मुकेश को गंभीर चोट आने रिपोर्ट पर थाना तिल्दा नेवरा में अपराध पंजीबद्ध जिसे मुखबिर सूचना पर घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी टिकेश्वर उर्फ महादेव और हेमकुमार साहू को धारा 118(1), 296, 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर माननीय न्यायालय पेश किया गया हैं !

सरकार दवाई व सुविधा उपलब्ध करा रही हम तो सेवक हैं : डॉ. प्रमोद सागर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा 9 जून। छत्तीसगढ़ के जिला रायपुर के क्षेत्र विकासखंड तिल्दा नेवरा के समीपस्थ आयुर्वेद ग्राम पंचायत छत्तौद के शासकीय आयुर्वेदिक औषधालय जिसे वर्तमान समय मे आयुर्वेदिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद ग्राम पंचायत छत्तौद क्षेत्र में ही नही अपितु पुरे दुरदराज मे भी अच्छी चिकित्सा व सेवा से चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्राम पंचायत छत्तौद मे यहां के आयुर्वेदिक आयुष्मान आरोग्य केंद्र में जब से डां. प्रमोद सागर जी आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष), छतौद, विकासखंड तिल्दा जिला रायपुर छ ग के रूप में पदभार संभाले हुए हैं। तब से यह ग्राम पंचायत छत्तौद अच्छी चिकित्सा व सेवाभावो, सरल सहज व्यवहारों से दुर दुर तक जाना जाता है। जिसके चलते लोग दुर दुर तक इलाज से निराश हो करके यहां आकर इलाज करा रहे हैं।

गौरतलब हो कि यहां के ग्रामीणों का कहना है कि डां.पुरूषोत्तम सागर जी हम ग्रामीणों के लिए सौभाग्य की बात है कि अयसे कुशल, अनुभवी व सेवाभावी, सरल सहज व्यक्तित्व के धनी डां. मीला है। जिसके इलाज से हम ग्रामीण ही नही बहुत से दुरंचल से लोग आयुर्वेद पद्धति से लोग इलाज करा कर स्वस्थ्य लाभ ले रहे हैं। डां. पुरूषोत्तम सागर जी के अच्छे इलाज के चलते ही हमारा ग्राम प्रसिद्ध है। आगे ग्रामीणों का कहना है कि जहां वर्तमान समय में अंग्रेजी डां.दवाईयो का प्रचलन व बडे बडे देंशी विदेशी डांक्टरो का प्रचलन है। जिसके इलाज व दवाओं से लोग बडी व गंभीर बिमारीयो से लाईलाज हो रहे हैं। वही खर्चे करके थक चुके हैं। इनके लिए बडी आशा का किरण साबित हो रहा है। अयसे मे वर्तमान समय में आयुर्वेद लोगो को अच्छी व निः शुल्क चिकित्सा लाभ प्रदान कर रही है।

ज्ञात हो कि अच्छे आयुर्वेदिक चिकित्सा मे छत्तौद के औषधालय मे चिकित्सा अधिकारी के रूप में डां. पुरूषोत्तम सागर बहुत चर्चा में है। इस पर डा. प्रमोद सागर जी का विचार जाना गया। तो उनका यह वक्तव्य आया कि हमे सरकार के द्वारा अच्छी शिक्षा, प्रशिक्षण दिया गया है। वही सरकार इस आधुनिकीकरण मे जहां अंग्रेजी डां. व दवाओं का बोलबाला है। अयसे समय मे भी सरकार के द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति मे निरंतर सुधार व सरलता ला रही है। वही सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार के द्वारा निरंतर दवाईयों की आपुर्ति की जा रही है। जिसके चलते हर बिमारी का इलाज संभव हो रहा है।

आगे डां. पुरूषोत्तम सागर जी ने कहा है कि महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यदि हम अपने अनुभवों, के साथ व्यवहारों व समयो का सही से सदुपयोग करे। तो इलाज करने मे और भी बहुत कुछ अच्छा प्रभाव पड़ता है। यही चीजे है। जिनसे हमारे पास जो भी मरीज आरहे है। उनका हम सेवाओं के रूप मे जो बन रहा है। उसके आधार पर इलाज कर रहे हैं। अब लोगो को आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से ही स्वास्थ्य लाभ मील रहा है। तो इसका श्रेय आयुर्वेद पद्धति एवं इसको संचालित करने वाले छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग की है। हम तो माध्यम मात्र है। पर हां यदि हमारे इलाज से लोगो को लाभ हो रहा है। तो हमे भी खुशी व अच्छा लगता है।

अवगत यह भी हो कि शासकीय प्राथमिक आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र छत्तौद मे वर्तमान समय में महिला चिकित्सक भी उपलब्ध रहती है। यहां पुरूष चिकित्सा के रूप मे पहले से ही डॉ पुरुषोत्तम सागर आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष), छतौद, विकासखंड तिल्दा जिला रायपुर छ ग के साथ मे ही, डॉ प्रतिभा रानी ठाकुर जी है। जो आयुष चिकित्सक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष), छतौद, विकासखंड तिल्दा जिला रायपुर छ ग के रूप मे पदस्थ है। वे भी अपनी कुशल अनुभव से महिलाओं की इलाज कर रही है। इस प्रकार सरकार आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से लोगो को स्वस्थ्य व सरल निशुल्क सविधा प्रदान करती आरही है। यही कारण है कि इसका प्रभाव जनता पर पड रही है। जिसके चलते लोग अब आयुर्वेद पर भरोसा जता रहे हैं। लेकिन यह बात को नाकारा नहीं जा सकता है कि यदि डा. अपने कुशलता का परिचय नही देता। या फिर अपने जिम्मेदारी का निर्वहन नही कर्ता है। तब तक यह अपने अस्तित्व मे नही आता है। इस प्रकार डा. प्रमोद सागर जैसे ही डांक्टरो का योगदान व भूमिका महत्वपूर्ण होता है।

पर्यावरण संरक्षण केवल बाहरी कार्य नहीं अपितु आंतरिक चेतना व जीवन शैली का एक हिस्सा

विश्व पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय नगरी में रोपे गए पौधे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी 9 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय नगरी द्वारा पौधारोपण कर प्रकृति परिवर्तन पर संगोष्ठी आयोजित की गई । उक्त कार्यक्रम में विशेष रूप से वन विभाग से पधारे श्री दिनेश साहू वनपाल नगरी, श्री झम्मनलाल कश्यप उपवनपाल नगरी, श्री अब्दुल कादिर वनरक्षक, श्री रवि कंचन वनरक्षक, श्रीमती चेलेश्वरी साहू पार्षद विवेकानंद वार्ड नगरी तथा संस्था की राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी भावना बहन, ब्रह्माकुमारी कमलेश्वरी बहन सहित संस्था के समस्त भाई बहन उपस्थित हुए। सर्वप्रथम राजयोगिनी भावना बहन के साथ वन विभाग से पधारे अतिथियों ने संस्था के परिसर में विभिन्न प्रकार के उपयोगी पौधों का रोपण किया तत्पश्चात विश्व पर्यावरण दिवस एवं प्रकृति परिवर्तन विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत परमपिता शिव परमात्मा की याद में दीप जलाकर किया गया उसके पश्चात

ब्रह्मकुमारी कमलेश्वरी बहन द्वारा अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत एवं सत्कार किया गया उसके बाद संस्था की राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी भावना बहन ने अपने दिव्य उद्बोधन में सभा को संबोधित करते हुए सभी को पर्यावरण दिवस की हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल बाहरी कार्य नहीं अपितु आंतरिक चेतना व जीवन शैली का एक हिस्सा है जब हम प्रकृति के प्रति प्रेम, जिम्मेदारी और सम्मान के श्रेष्ठ संकल्प लेते हैं तो एक स्वच्छ संतुलित और उज्जवल भविष्य के निर्माण की संभावना निर्मित होती है मानव और प्रकृति का संबंध बहुत गहरा है मानव आत्मा और प्रकृति के पांच तत्व आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि और आकाश केवल निर्जीव संसाधन नहीं है बल्कि वे सजीव प्रतिक्रियाशील ऊर्जाएं हैं जब मानव चेतना उत्पन्न होती है तो विचार शुद्ध पवित्र होता है इरादे नेक होते हैं तब प्रकृति सामंजस्य में रहती है परंतु जैसे-जैसे मानव के अंदर अहंकार, लोभ का जन्म हुआ मानवीय चेतना का पतन होना शुरू हुआ प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग होना प्रारंभ हो गया। मानव अपनी निजी स्वार्थवश वनों का अंधाधुंध कटाई शुरू कर दी जिसे प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया। ऐसे समय में आत्मजागरूकता की नितांत आवश्यकता है परमपिता शिव परमात्मा के ज्ञान व मेडिटेशन से हम प्रकृति परिवर्तन के इस महान कार्य में अपनी भागीदारी दे सकते हैं ब्रह्माकुमारी भावना बहन ने पुनः अपील करते हुए कहा हम परमात्मा की याद से प्रकृति को पावन तथा अपना जीवन दिव्य बना सकते हैं सभी को पर्यावरण बचाने हेतु शपथ दिलाई । इसी तारतम्य में श्री दिनेश साहू वनपाल ने इस विषय पर अपना विचार साझा करते हुए कहा कि वनों का देखभाल और उसकी सुरक्षा करना हम सब का दायित्व है यहां आकर एक सुखद अनुभव हुआ इस प्रकार की जागरूकता कार्यक्रम बेहद लाभकारी व उपयोगी है। उसके पश्चात श्री झम्मन लाल कश्यप उप वनपाल ने भी सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए वनों को बचाने की अपील की। साथ ही अब्दुल कादिर ने भी सभी को पर्यावरण दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की तथा श्री रवि कंचन वनरक्षक ने विश्व पर्यावरण दिवस की सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। अंत में ब्रह्माकुमारी भावना बहन ने सभी अतिथियों को ईश्वरीय प्रतीक चिन्ह भेंट की। कार्यक्रम का संचालन श्री सुरेश प्रजापति जी ने किया और अंत में श्री रतिराम नाग जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया की ताकत जंतर मंतर में तो दिखी नहीं

कई बार जो जैसा दिखता है,वह वाकई में वैसा नहीं होता है।सोशल मीडिया में काकरोच जनता पार्टी के सदस्य या फालोवर की संख्या तो ढाई करोड़ बताई गई, इससे ऐसा नरेटिव बनाया गया कि मोदी सरकार के खिलाफ कोई बहुत बड़ा आंदोलन शुरू हो गया है और यह आंदोलन ऐसा होगा कि मोदी सरकार को सत्ता छोड़ने को मजबूर होना पड़ेगा। जब तक यह आंदोलन सोशल मीडिया तक सीमित रहा लोगों को लगता रहा कि वाकई में देश के युवाओं में मोदी सरकार को लेकर बहुत गुस्सा है और देश का जेन जी जल्द ही सड़क पर उतरेगा और मोदी सरकार का हश्र भी बांग्लादेश,नेपाल व श्रीलंका की सरकारों जैसा होगा।विपक्ष के नेता भी शुरू में खुश थे कि चलो युवा अब काकरोच जनता पार्टी के माध्यम से अपनी नाराजगी जताने सड़कों पर उतरेंगे और मोदी सरकार के खिलाफ जो काम वह १२ सालों में नहीं कर सके वह काम आसानी से काकरोच जनता पार्टी करेगी। काकरोच जनता पार्टी का जन्म ही डिजिटली हुआ है। उसका गठन जमीन पर परंपरागत राजनीतिक दलों की तरह नहीं हुआ है।इसलिए यह कितना हकीकत है और कितना फसाना है, इसका पता शुरू में लगना मुश्किल था इसलिए हर फसाने की तरह इस फसाने की चर्चा तो बहुत हुई। कहने वालों ने क्या नहीं कहा-यह न तो पार्टी है, यह न तो जनता है, यह न तो दूसरे आंदोलनों की तरह आंदोलन है,यह तो एक क्षण है, यह युवाओं के गुस्से की लहर, यह तो गुस्से की सुनामी है,यह तो भारत के जेनजी की लहर है,यह भावनाओं का ज्वार है,यह देश के युवाओं की ऊर्जा का ऐसा महाविस्फोट है जिसमें मोदी सरकार का जाना तय है।यह सोशल मीडिया के आभासी जगत में पैदा हुआ इसलिए इसकी जमीनी हकीकत को किसी को कुछ पता नहीं था सब कुछ दिनों में इसके ढाई करोड़ फालोवरों की बात इस तरह कर रहे कि जब यह ढाई करोड़ काकरोच जमीन पर आएंगे को क्या नहीं हो सकता। सब इंतजार कर रहे थे कि ढाई करोड़ काकरोज कब जमीन पर दिखाई देंगे। इसे तो सब सच मान रहे थे ढाई करोड़ की संख्या बहुत ज्यादा होती है। लेकिन लोगों का यकीन तो तब आता जब ढाई करोड़ काकरोज दिल्ली की जमीन पर दिखाई देते। काकरोच जनता पार्टी के सुप्रीमो अभिजीत दीपके ने जब यह घोषणा की कि उनकी पार्टी जंतर मंतर पर नीट समेत दूसरी तमाम परीक्षाओं के पेपरलीक मामले में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा तो लोगों को लगा अब आया है मौका काकरोच पार्टी की हकीकत जानने का। ढाई करोड फालोवर होने की वजह सब यह उम्मीद कर रहे थे कि दिल्ली में आज तक जैसा आँदोलन नहीं हुआ वैसा आंदोलन काकरोच जनता पार्टी करके दिखाएगी। लोग कम से कम उम्मीद कर रहे थे कि कम से कम पांच दस लाख तो इस आंदोलन में जुटेंगे ही लेकिन ऐसा नहीं हुआ और काकरोज जनता पार्टी की पोल खुल गई जब गिनती के एक दो हजार ही लोग जंतर मंतर पर पहुंचे।यहा भीड़ का नजारा इसलिए दिख रहा था कि हजार पंद्रह सौ पुलिस वाले ही थे, कुछ सौ पत्रकार व यूट्यूबर थे, वैसे भी जंतर मंतर शनिवार इतवार को सौ दो सौ लोग रहते ही हैं। यानी डिजिडल मीडिया में जो करोड़ो की बात की जा रही थी वह जमीन पर दो हजार तक सिमट कर रह गई। ऐतिहासिक प्रदर्शन एक सामान्य प्रदर्शन जैसा रहा। आंदोलन करने वाले सोच रहे थे कि उनको आंदोलन की अनुमति नहीं मिलेगी तो उनको शक्ति प्रदर्शन का मौका मिलेगा लेकिन पुलिस ने आसानी से आंदोलन की अनुमति दे दी की जाओ जितनी ताकत दिखानी है जंतरमंतर पर दिखाओ। काकरोच जनता पार्टी के पास ताकत तो आभासी दुनिया में थी। जमीन पर तो उनके पास हजार दो हजार लोगों का ताकत थी। इसे ताकत कौन मानेगा कौन मानेगा कि यह काकरोच पार्टी इस देश में युवाओं के भले के लिए कुछ कर सकती है।काकरोच और उनके नेताओं को लगा कि पहला इंप्रेशन तो ठीक से पड़ा नहीं तो क्या हुआ।अगले प्रदर्शन की चेतावनी सरकार को दे कर गए हैं कि केंद्रीय मंत्री को सात दिन में नही हटाया तो अगले शनिवार को इसके विरोध में काकरोच जनता पार्टी फिर प्रदर्शन करेगी। अब किसी को यकीन नहीं है कि यह काकरोच पार्टी कुछ कर सकती है क्योंकि कुछ दिनों में ही देश के राजनीतिक दलों को समझ आ गया है कि हम तो इसे शक्तिमान समझ रहे थे यह तो उसी झाड़ूवाले का चेला है।जैसे ही पता चला काकरोच झाड़ू का बदला हुआ रूप है। देश के विपक्षी दल दो हिस्सों में बंट गए एक जो इसका समर्थन कर रहे हैं और कांग्रेस इसका विरोध कर रही है. इसका मजाक उड़ा रही है।क्योंकि कांग्रेस के लिए सबसे बड़े नेता राहुल गांधी है, उनसे बडा नेता किसी को नहीं मान सकते। राहुल गांधी भी तो युवाओं के गुस्से का उपयोग कर खुद युवाओं का बड़ा नेता बनना चाहते है और काकरोच पार्टी ने ऐन मौके पर अभिजीत दीपके के रूप में एक नेता सामने खड़ा कर दिया है और युवाओं से कहा जा रहा है कि यह युवाओं का नेता है.यही युवाओं का भला कर सकता है, यह बात कांग्रेस को भली लग नहीं सकती कि उनके युवा नेता के सामने कोई दूसरा युवा नेता खड़ा हो। कांग्रेस चाहती थी यह आंदोलन सफल न हो और ऐसा ही हुआ है। इसका मतलब यह नहीं है कि राहुल गांधी के लिए पूरा मैदान खाली है।झाड़ू वाला दिल्ली के मैदान नहीं है इसका मतलब यह नहीं है कि कोई दिल्ली के मैदान पर कब्जा कर लेगा।झाड़ू वाला दिल्ली के मैदान में न हो कर भी दिल्ली के मैदान में है,वह नए रूप में है।नए अवतार में है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष: बस्तर के दूरस्थ गांवों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की नई कहानी

जंगलों से जननी सुरक्षा तक: सुरक्षित मातृत्व की राह पर बदलता छत्तीसगढ़

जगत प्रकाश नड्डा

किसी भी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी सड़कों, भवनों और उद्योगों से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से तय होता है जो अपने सबसे संवेदनशील नागरिकों की रक्षा करती है। गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होते हैं। जब एक मां सुरक्षित रहती है तो केवल एक जीवन नहीं बचता, बल्कि एक पूरे परिवार, समाज और भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

भारत ने पिछले एक दशक में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में जिस परिवर्तनकारी यात्रा को तय किया है, वह विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में उभरी है। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) है, जिसने गर्भवती महिलाओं तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में एक व्यापक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है। इस अभियान की सफलता की सबसे प्रभावशाली कहानियों में से एक छत्तीसगढ़ की है, जहां घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ियों और दूरस्थ आदिवासी अंचलों के बीच मातृ स्वास्थ्य सेवाओं ने नई पहचान बनाई है।

दस वर्ष पहले जिन क्षेत्रों में गर्भावस्था के दौरान नियमित स्वास्थ्य जांच की कल्पना भी कठिन थी, वहां आज हर महीने की 9 तारीख मातृ स्वास्थ्य जागरूकता और चिकित्सकीय सेवाओं का प्रतीक बन चुकी है। यह बदलाव केवल योजनाओं का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, तकनीकी नवाचार, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता और जन-भागीदारी के सामूहिक प्रयासों की कहानी है।

नौ तारीख बनी सुरक्षित मातृत्व का प्रतीक-9 जून 2016 को शुरू हुए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की अवधारणा सरल लेकिन प्रभावशाली थी। गर्भावस्था के नौ महीनों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक माह की नौ तारीख को गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष प्रसव पूर्व जांच दिवस के रूप में निर्धारित किया गया। इस दिन सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क जांच, परामर्श और आवश्यक परीक्षणों की व्यवस्था की जाती है।

इस पहल ने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को नियमितता और पहचान दी। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और उनके परिवारों के लिए यह समझना आसान हुआ कि प्रत्येक माह की नौ तारीख स्वास्थ्य जांच के लिए निर्धारित है। परिणामस्वरूप प्रसव पूर्व जांच की पहुंच और स्वीकार्यता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज देशभर में करोड़ों महिलाओं ने इस अभियान का लाभ उठाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि गर्भावस्था के दौरान समय पर जांच और जोखिमों की पहचान ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छत्तीसगढ़ के लिए चुनौती थी भूगोल, समाधान बना समुदाय-छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियां देश के अनेक राज्यों से भिन्न हैं। बस्तर, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर और कांकेर जैसे जिलों के बड़े हिस्से वनाच्छादित हैं। कई गांव ऐसे हैं जहां बरसात के मौसम में पहुंचना बेहद कठिन हो जाता है। वर्षों तक इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रहा। आदिवासी अंचलों में पारंपरिक मान्यताओं और घरेलू प्रसव की प्रथा भी लंबे समय तक मातृ स्वास्थ्य सुधार की राह में बाधा बनी रही। कई महिलाएं गर्भावस्था के दौरान किसी प्रकार की चिकित्सकीय जांच नहीं कराती थीं। जटिलता होने पर अस्पताल पहुंचने में देर हो जाती थी और कई बार स्थिति गंभीर हो जाती थी।

यहीं से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान ने बदलाव की शुरुआत की। राज्य सरकार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने संयुक्त रूप से रणनीति तैयार की कि जोखिम सामने आने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले उसकी पहचान की जाए। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स, हाट-बाजार क्लीनिक, विशेष स्वास्थ्य शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से विशेषज्ञ सेवाओं को गांवों तक पहुंचाया गया।

आज स्थिति यह है कि जिन क्षेत्रों में कभी स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सीमित थी, वहां गर्भवती महिलाओं का नियमित पंजीकरण, जांच और फॉलोअप संभव हो रहा है।

समय रहते जोखिम की पहचान बनी सबसे बड़ी ताकत-मातृ स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश गंभीर प्रसूति जटिलताएं अचानक नहीं होतीं। उनके संकेत गर्भावस्था के दौरान दिखाई देने लगते हैं। यदि समय पर पहचान हो जाए तो अधिकांश जोखिमों को नियंत्रित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की पहचान है। गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप, गर्भकालीन मधुमेह, पूर्व प्रसव संबंधी जटिलताएं, कम उम्र या अधिक उम्र में गर्भधारण तथा जुड़वा गर्भ जैसी स्थितियों को विशेष रूप से चिन्हित किया जाता है। छत्तीसगढ़ में अभियान के अंतर्गत बड़ी संख्या में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई है। इन मामलों को चिन्हित करने के बाद उन्हें उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ा जाता है ताकि प्रसव के समय किसी प्रकार की आपात स्थिति उत्पन्न न हो।

यही कारण है कि राज्य के दूरस्थ जिलों में भी जटिल प्रसवों के सुरक्षित प्रबंधन की संभावना बढ़ी है। चिकित्सकों के अनुसार, समय पर रेफरल और नियमित निगरानी ने अनेक माताओं और नवजातों का जीवन बचाया है।

डिजिटल ट्रैकिंग ने स्वास्थ्य सेवाओं को दिया नया आयाम-पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल तकनीक ने मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नई गति प्रदान की है। पीएमएसएमए पोर्टल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की नाम आधारित ट्रैकिंग संभव हुई है। किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में जांच के बाद जानकारी तत्काल ऑनलाइन दर्ज की जाती है। यदि किसी महिला को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा जाता है तो उसकी जानकारी संबंधित चिकित्सकीय इकाइयों तक पहुंच जाती है। इससे स्वास्थ्य तंत्र को पहले से तैयारी करने का अवसर मिलता है। प्रसव की संभावित तिथि, चिकित्सकीय स्थिति और आवश्यक सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध रहने से आपातकालीन परिस्थितियों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पाता है।

छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां दूरी और परिवहन लंबे समय तक बड़ी चुनौती रहे हैं, डिजिटल निगरानी प्रणाली ने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाया है।

गांव की पगडंडी से अस्पताल तक, आशा कार्यकर्ताओं का असाधारण योगदान0यदि इस परिवर्तन की असली कहानी लिखी जाए तो उसमें सबसे प्रमुख स्थान अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का होगा। आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी इस पूरे अभियान की रीढ़ हैं। आशा कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण करती हैं, उन्हें नियमित जांच के लिए प्रेरित करती हैं और आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य संस्थानों तक पहुंचाने में सहायता करती हैं। कई दूरस्थ गांवों में उन्होंने सामाजिक मान्यताओं को बदलने और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण संबंधी निगरानी करती हैं, जबकि एएनएम टीकाकरण, प्राथमिक जांच और आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करती हैं। हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी प्रारंभिक स्तर पर जोखिमों की पहचान कर विशेषज्ञ चिकित्सकों से समन्वय स्थापित करते हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का मानना है कि इन कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता के बिना मातृ स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार की कल्पना संभव नहीं थी।

जब योजनाएं साथ आईं तो बना सुरक्षा का व्यापक कवच-प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की सफलता केवल एक योजना की उपलब्धि नहीं है। इसकी प्रभावशीलता विभिन्न स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के समन्वय से बढ़ी है। जननी सुरक्षा योजना संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहन देती है। जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम सरकारी अस्पतालों में प्रसव, दवाइयों, जांचों और परिवहन को निःशुल्क उपलब्ध कराता है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोषण संबंधी सहायता प्रदान करती है, जबकि आयुष्मान भारत गंभीर मामलों में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इन सभी योजनाओं ने मिलकर गर्भवती महिलाओं के लिए एक ऐसा सुरक्षा तंत्र तैयार किया है जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर आर्थिक सहायता और पोषण तक सभी पहलुओं को शामिल किया गया है।

बस्तर की कहानी, जहां अस्पताल अब भरोसे का नाम है-बस्तर संभाग के कई गांवों में आज भी ऐसे परिवार मिल जाते हैं जो कुछ वर्ष पहले तक अस्पताल में प्रसव कराने से हिचकते थे। लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां बदली हैं।

सुकमा, दंतेवाड़ा और नारायणपुर जैसे जिलों में नियमित स्वास्थ्य शिविरों और सामुदायिक संवाद कार्यक्रमों ने विश्वास का वातावरण बनाया। जिन महिलाओं को पहले अस्पताल जाने में संकोच होता था, वे अब गर्भावस्था की शुरुआत से ही स्वास्थ्य जांच करा रही हैं।

कई मामलों में समय पर जांच के दौरान गंभीर एनीमिया, उच्च रक्तचाप या भ्रूण की असामान्य स्थिति की पहचान हुई और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सका। ऐसी हजारों कहानियां आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सुनाई देती हैं जहां मातृत्व अब भय नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा से जुड़ा अनुभव बन रहा है।

अगले दशक की दिशा : शून्य रोकी जा सकने वाली मातृ मृत्यु का लक्ष्य-मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। दूरस्थ क्षेत्रों तक वर्षभर निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाना, प्रसवोत्तर देखभाल को और मजबूत बनाना तथा शहरी गरीब बस्तियों तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना अभी भी प्राथमिकताएं हैं।

ड्रोन आधारित आपूर्ति प्रणाली, टेलीमेडिसिन, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और प्रशिक्षित मिडवाइफरी सेवाओं का विस्तार आने वाले वर्षों में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों को और मजबूत बना सकता है।

छत्तीसगढ़ ने यह सिद्ध किया है कि कठिन भूगोल और सीमित संसाधनों के बावजूद यदि नीति, तकनीक और सामुदायिक भागीदारी एक साथ काम करें तो स्वास्थ्य क्षेत्र में असाधारण परिवर्तन संभव है।

आज जब हर महीने की 9 तारीख को राज्य के हजारों स्वास्थ्य केंद्रों में गर्भवती महिलाएं जांच के लिए पहुंचती हैं, तो यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि उस भरोसे का प्रतीक है कि सुरक्षित मातृत्व प्रत्येक महिला का अधिकार है। बस्तर के जंगलों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक फैलती यह नई स्वास्थ्य चेतना वास्तव में विकसित भारत और सशक्त छत्तीसगढ़ की आधारशिला बन रही है।

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं)

सू- दोकू क्र.064

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.063 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

शब्द सामर्थ्य - 064

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मपुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

1	2		3	■	4	5	■	■
6		■	7				8	■
9		10		■		■	11	
12			■	13		14		■
■	15				■		■	16
17	■		■	18			■	
19		■	■	■	■	20	21	
	■	22		23		■	24	
25			■	26				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 063 का हल

दि	क्ष	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

लोकतंत्र का व्यंग्य या लोकतांत्रिक मर्यादाओं पर संकट?

ललित गर्ग

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल मतदान की व्यवस्था नहीं, बल्कि संवाद, सहमति, असहमति, संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक उत्तरदायित्वों का एक सशक्त तंत्र है। लोकतंत्र की शक्ति विरोध में निहित है, लेकिन उसकी गरिमा विरोध की शैली, उद्देश्य और मर्यादा से निर्धारित होती है। हाल के दिनों में चर्चित हुई तथाकथित 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) इसी संदर्भ में गंभीर विमर्श की मांग करती है। यह आंदोलन प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध के नाम पर उभरा। प्रारम्भ में यह सोशल मीडिया पर व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में सामने आया और बाद में दिल्ली के जंतर-मंतर तक पहुंच गया। इसके समर्थकों ने इसे युवाओं के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताया, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह वास्तव में शिक्षा सुधार का आंदोलन है या लोकतांत्रिक असंतोष को व्यंग्य, उपहास और राजनीतिक धुरवीकरण की दिशा में मोड़ने वाला एक नया प्रयोग?

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार देता है। किंतु कोई भी अधिकार निरंकुश नहीं होता। लोकतंत्र में विरोध का उद्देश्य समाधान की खोज होना चाहिए, न कि अराजकता का विस्तार। यदि विरोध का स्वर केवल उपहास, आक्रोश और टकराव तक सीमित रह जाए, तो वह लोकतंत्र को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का नाम ही एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक मानसिकता का परिचायक है। किसी राजनीतिक दल की नकल करते हुए स्वयं को "कॉकरोच" के प्रतीक से जोड़ना लोकतांत्रिक विमर्श को गंभीरता से अधिक तमाशे में बदलने का प्रयास प्रतीत होता है। लोकतंत्र में व्यंग्य का स्थान है, लेकिन व्यंग्य यदि विचार का स्थान ले ले, तो वह जनमत को भ्रमित भी कर सकता है। किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन उसकी मांगों और कार्यप्रणाली से किया जाता है। सीजेपी की प्रमुख मांगें हैं-परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, पेपर लीक की रोकथाम, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना। इनमें से अधिकांश मांगें ऐसी हैं जिन पर देश का हर जिम्मेदार नागरिक सहमत हो सकता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन मांगों को मनवाने का तरीका भी उतना ही जिम्मेदार है? क्या कॉकरोच के मुखौटे पहनना, राजनीतिक व्यंग्य को आंदोलन का आधार बनाना और सोशल मीडिया पर उत्तेजक अभियानों को बढ़ावा देना शिक्षा सुधार का व्यावहारिक मार्ग है? क्या इससे सरकार, विशेषज्ञों और समाज के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा? इतिहास बताता है कि स्थायी परिवर्तन नारेबाजी से नहीं, बल्कि वैचारिक स्पष्टता, संगठनात्मक अनुशासन और रचनात्मक दबाव से आते हैं। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। लेकिन यही शक्ति यदि निराशा, बेरोजगारी और असंतोष से घिर जाए तो विभिन्न राजनीतिक शक्तियों के लिए उपयोग का साधन भी बन सकती है। आज देश का युवा प्रतियोगी परीक्षाओं, रोजगार और भविष्य को लेकर चिंतित है। यह चिंता वास्तविक है। लेकिन हर वास्तविक चिंता के साथ एक खतरा भी जुड़ा होता है-उसका राजनीतिक दोहन। जब किसी आंदोलन के पीछे विभिन्न राजनीतिक समूहों, सत्ता-विरोधी संगठनों और वैचारिक एजेंडों की उपस्थिति दिखाई देने लगे, तब यह आशंका स्वाभाविक हो जाती है कि कहीं युवाओं की पीड़ा को राजनीतिक हथियार तो नहीं बनाया जा रहा। यदि छात्र आंदोलन शिक्षा सुधार की जगह सरकार-विरोधी अभियान में बदल जाए, तो सबसे बड़ा नुकसान स्वयं छात्रों का होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि वे किसी राजनीतिक प्रयोगशाला के उपकरण नहीं हैं। उनकी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण के लिए है, किसी छिपे हुए राजनीतिक एजेंडे के लिए नहीं।

सीजेपी के समर्थकों द्वारा कभी-कभी नेपाल, बांग्लादेश अथवा अन्य देशों में हुए युवा आंदोलनों का उल्लेख किया जाता है। ऐसी

तुलना न केवल जल्दबाजी है बल्कि भ्रामक भी हो सकती है। भारत की लोकतांत्रिक संरचना, संस्थागत शक्ति, न्यायिक व्यवस्था, मीडिया की स्वतंत्रता और संवैधानिक ढांचा पड़ोसी देशों से भिन्न है। जिन परिस्थितियों में अन्य देशों में जनआंदोलन उभरे, वे परिस्थितियां भारत में मौजूद नहीं हैं। भारत में चुनावी परिवर्तन की सशक्त व्यवस्था है। यहां सरकारें जनमत से बनती और बदलती हैं। इसलिए भारत के युवाओं को विदेशी या पड़ोसी देशों के आंदोलनों की भावनात्मक तुलना के बजाय भारतीय लोकतंत्र की विशेषताओं को समझना चाहिए। हर देश की राजनीतिक परिस्थितियां अलग होती हैं। इसलिए विदेशी उदाहरणों के आधार पर भारत में असंतोष को भड़काना न तो बौद्धिक रूप से उचित है और न ही राष्ट्रीय हित में। आज सोशल मीडिया किसी भी विचार को कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है। लेकिन यही उसकी सबसे बड़ी चुनौती भी है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लोकप्रियता और वैधता एक जैसी चीजें नहीं हैं। कई बार कोई विचार ट्रेंड तो बन जाता है, लेकिन उसके पास न स्पष्ट दृष्टि होती है, न कोई रचनात्मक कार्यक्रम और न कोई उत्तरदायित्व। सोशल मीडिया पर वायरल होना लोकतांत्रिक स्वीकृति का प्रमाण नहीं है। 'कॉकरोच जनता पार्टी' का तेजी से लोकप्रिय होना इस बात का संकेत अवश्य है कि युवाओं में असंतोष है, लेकिन यह इस बात का प्रमाण नहीं कि आंदोलन का मार्ग सही है। लोकतंत्र में ट्रेंडिंग हैशटैग से अधिक महत्व तथ्यों, नीति और संस्थागत संवाद का होता है। यदि राजनीति केवल मीम, व्यंग्य और डिजिटल आक्रोश तक सीमित हो जाए तो लोकतंत्र धीरे-धीरे विचारशील नागरिकता से हटकर भीड़तंत्र में बदल सकता है। भारत ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लिया है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता, संस्थागत विश्वास और राष्ट्रीय एकता का भी है। यदि युवा शक्ति का बड़ा हिस्सा निरंतर अविश्वास, नकारात्मकता और टकराव की राजनीति की ओर आकर्षित होता है, तो यह लक्ष्य प्रभावित हो सकता है। विकास के लिए केवल आलोचना नहीं, बल्कि सहभागिता भी आवश्यक है। युवाओं को सरकार से प्रश्न पूछने चाहिए, लेकिन साथ ही समाधान भी प्रस्तुत करने चाहिए। उन्हें जवाबदेही मांगनी चाहिए, लेकिन संस्थाओं के प्रति सम्मान भी बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र की सफलता विरोध और सहयोग के संतुलन में निहित है। इस पूरे प्रकरण का एक महत्वपूर्ण पक्ष उन राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका है जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से ऐसे आंदोलनों को समर्थन देते दिखाई देते हैं। यदि कोई राजनीतिक दल वास्तव में शिक्षा सुधार चाहता है तो उसे संसद, विधानसभाओं और नीति मंचों पर ठोस प्रस्ताव रखने चाहिए। लेकिन यदि छात्र असंतोष को केवल सरकार को घेरने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, तो यह लोकतंत्र और युवाओं दोनों के साथ अन्याय है। राजनीतिक दलों को स्पष्ट करना चाहिए कि वे शिक्षा सुधार के लिए क्या ठोस कार्यक्रम रखते हैं। केवल विरोध का समर्थन करना पर्याप्त नहीं है। लोकतंत्र में जिम्मेदार विपक्ष का दायित्व विकल्प प्रस्तुत करना भी होता है। परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता, पेपर लीक पर कठोर दंड, रोजगार सृजन, शिक्षा की गुणवत्ता और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार-ये सभी वास्तविक और महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। लेकिन इनका समाधान व्यंग्यात्मक राजनीति या प्रतीकात्मक आक्रोश में नहीं है। समाधान सरकार, न्यायपालिका, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, छात्र संगठनों और समाज के बीच निरंतर संवाद में है। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के असंतोष को रचनात्मक ऊर्जा में बदला जाए। भारत का लोकतंत्र विरोध को स्वीकार करता है, लेकिन वह विरोध तभी सार्थक होता है जब वह व्यवस्था को तोड़ने के बजाय सुधारने की दिशा में आगे बढ़े। 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसी प्रवृत्तियां पहली दृष्टि में लोकतांत्रिक व्यंग्य और युवा असंतोष की अभिव्यक्ति लग सकती हैं, लेकिन इनके दूरगामी प्रभावों की गंभीर समीक्षा आवश्यक है। यदि राजनीति उपहास, प्रतीकात्मक आक्रोश और डिजिटल उत्तेजना तक सीमित हो जाएगी, तो लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होगी। भारत को आज ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो प्रश्न भी पूछें और समाधान भी खोजें। जो विरोध भी करें और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी भी निभाएं। लोकतंत्र की शक्ति संघर्ष में नहीं-संवाद में है, विभाजन में नहीं-समन्वय में है और तात्कालिक उत्तेजना में नहीं-दीर्घकालिक राष्ट्रहित में है। इसलिए समय की मांग है कि युवा, राजनीतिक दल और समाज सभी मिलकर यह विचार करें कि क्या 'कॉकरोच राजनीति' वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करेगी, या फिर वह भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति, राजनीतिक मर्यादाओं और विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के सामने एक नई चुनौती बनकर उभरेगी। यही प्रश्न आज सबसे अधिक प्रासंगिक है।

एक नजर

सीएएफ कैंप में तैनात एक जवान की गोली लगने से मौत

कोंडागांव, 9 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के उरंदाबेड़ा क्षेत्र स्थित सीएएफकैंप में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब ड्यूटी पर तैनात एक जवान की गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जवान जोगेंद्र नेताम के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार जोगेंद्र नेताम फरसगांव क्षेत्र के उरंदाबेड़ा थाना अंतर्गत स्थित सीएएफकैंप में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान उन्हें गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही उरंदाबेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए कोंडागांव पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा भी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आत्मघाती कदम उठाने की आशंका नजर आ रही है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि घटना के कारणों को लेकर अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। एसपी पंकज चंद्रा ने उरंदाबेड़ा थाना प्रभारी को मामले की विस्तृत जांच करने के निर्देश दिए हैं।

आईटीबीपी के जवानों ने अबूझमाड़ के सुदूर वनांचल में रिकॉर्ड समय में 7 लॉग ब्रिज बनाये

नारायणपुर, 9 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के अबूझमाड़ के सुदूर वनांचल में बारिश की पहली बूंद गिरते ही जहां जिंदगी थम जाती थी, जहां उफनते नदी-नाले ग्रामीणों को महीनों तक दुनिया से काट देते थे, उस अबूझमाड़ में नक्सलवाद के खात्में के बाद आईटीबीपी 53वीं वाहिनी के जवानों ने घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच मोर्चा संभालते हुए रिकॉर्ड समय में 7 नए लॉग ब्रिज (लकड़ी के मजबूत पुल) तैयार कर दिए हैं। अब बारिश के चार महीनों में न तो इलाज के लिए किसी गर्भवती महिला को खाट पर नदी पार करनी पड़ेगी। न ही बच्चों की पढ़ाई रुकेगी। आईटीबीपी के संजय कुमार से मिली जानकारी के अनुसार ग्रामीणों की मांग पर सेनानी का क्विक एक्शन माड़ डिविजन के नवस्थापित सीओबी कोडेनार, अडिंगपार और मड़ोड़ा क्षेत्र के ग्रामीणों ने आईटीबीपी से मुलाकात कर अपनी बरसों पुरानी पीड़ा साझा की थी। ग्रामीणों ने बताया था कि मानसून आते ही नाले उफान पर आ जाते हैं। वे अपने ही घरों में कैद हो जाते हैं। इस संवेदनशील मामले की गंभीरता को देखते हुए आईटीबीपी ने बिना वक्त गंवाए त्वरित कार्रवाई करते हुए पुल निर्माण का जिम्मा उठाया। अत्यंत कठिन भौगोलिक परिस्थितियों वाले इस इलाके में निर्माण कार्य करना किसी चुनौती से कम नहीं था। जवानों ने जिला प्रशासन और नारायणपुर पुलिस के साथ मिलकर इस नामुमकिन काम को मुमकिन कर रिकॉर्ड समय में 7 नए लॉग ब्रिज (लकड़ी के मजबूत पुल) तैयार कर दिए है। इस मानसून में अबूझमाड़ के सुदूर वनांचल में एक नई सुबह होने वाली है।

ईरागांव में ईसाई धर्म प्रचारकों के प्रवेश पर रोक का लगा सूचना बोर्ड

कांकेर, 9 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ईरागांव में धर्मांतरण गतिविधियों को लेकर आज मंगलवार को एक सूचना बोर्ड लगाया गया है। इसमें ईसाई धर्म प्रचारक पादरी एवं पास्टरों के गांव में प्रवेश पर प्रतिबंध की जानकारी दी गई है। ग्रामीणों के अनुसार यह निर्णय ग्रामसभा में चर्चा के बाद लिया गया। कुछ दिन पहले एक महिला की मौत के बाद शव दफनाने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद यह निर्णय सामने आया। ग्रामीणों का कहना है कि धर्म परिवर्तन के बाद कुछ लोग गांव की परंपराओं, पूजा-पद्धति, देवी-देवताओं एवं सामाजिक व्यवस्थाओं से दूरी बना लेते हैं। इससे विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। इसी को देखते हुए ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित किया गया। धर्मांतरण गतिविधियों के उद्देश्य से आने वाले पादरी-पास्टरों के गांव में प्रवेश पर रोक लगाने का फैसला लिया गया। इस संबंध में गांव में सूचना बोर्ड भी स्थापित किया गया है। इस दौरान ग्राम पटेल प्रयाग सिंह कोरेटी, जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र टेकाम, भागवत कोरेटी, मयाराम आंचला, पुखराज आंचला, गैंद सिंह हिडको, ज्वाला प्रसाद जैन, चैतू आंचला, बालसिंह कोरेटी, गौतम उसेण्डी व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

संसदीय संकुल विकास परियोजना एवं स्थानीय संसाधनों से आत्मनिर्भर बनेगा बस्तर : महेश कश्यप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,9 जून । बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप के पहल पर संसदीय संकुल विकास परियोजना के अंतर्गत विकासखंड बकावंड के दूरस्थ ग्राम मोहलई में युवा चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को बस्तर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी सार्थक है, जब वह पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से 29 विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी एक ही मंच पर दी गई, ताकि जागरूकता के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे।

सांसद कश्यप ने बस्तर की समृद्धि का जिक्र करते हुए कहा कि यहां के प्राकृतिक संसाधन और वन उपज जैसे इमली, महुआ और टोरा इत्यादि स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने इमली प्रोसेसिंग यूनिट,टोरा तेल घानी और लघु उद्योगों की स्थापना से व्यापक स्तर पर सकारात्मक बदलाव होगा। इन उद्योगों के माध्यम से स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और युवाओं का पलायन रुकेगा।

सांसद कश्यप ने कहा कि छोटे छोटे समूह स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। जिससे बस्तर के दूरस्थ गांवों में विकास,जागरूकता और आत्मनिर्भरता का नया संकल्प बनकर उभरेगा द्य ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आजादी के दशकों बाद पहली बार कोई जनप्रतिनिधि उनके गांव तक पहुँच विभिन्न विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सोनबारी भद्रे,उपाध्यक्ष तरुण पाण्डे,भाजपा जिला महामंत्री परिसराम बेसरा,मंडल महामंत्री अमरदेव भारती,विषम ठाकुर, फूलल्केश्वर पांडेय,नवरत्न कर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और कृषि, मत्स्य,उद्यानिकी तथा क्रेडा विभाग के अधिकारी,महिला समूह एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

5 दिनों से जलापूर्ति ठप, नाराज नागरिकों ने नगर पालिका कार्यालय के सामने किया धरना-प्रदर्शन

■ पूर्व उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर के नेतृत्व में हुई नारेबाजी, जल्द समाधान की मांग

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 9 जून। नगर पंचायत बीजापुर क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से पेयजल आपूर्ति बाधित रहने के कारण नागरिकों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। पेयजल संकट से परेशान वार्डवासियों ने मंगलवार को पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर के नेतृत्व में नगर पालिका कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं स्थानीय नागरिक

शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि भीषण गर्मी के बीच लगातार पांच दिनों से पानी नहीं मिलने के कारण लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को पेयजल के लिए दूर-दराज के स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। पूर्व उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर ने नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि नगरवासियों की मूलभूत आवश्यकता पेयजल है, लेकिन प्रशासन इस गंभीर समस्या के समाधान के प्रति संवेदनशील नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द जलापूर्ति व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।

धरना स्थल पर उपस्थित नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से तत्काल समस्या का निराकरण करने तथा नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नगरवासियों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन को युद्धस्तर पर कार्य करना चाहिए। इस संबंध में नगर पालिका प्रशासन की ओर से समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिए जाने की जानकारी मिली है। हालांकि नागरिकों का कहना है कि जब तक नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

दो दिवसीय माता कर्मा महोत्सव में डिप्टी सीएम साव हुए शामिल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरन्दुल 9 जून। संत शिरोमणी भक्त माता कर्मा महोत्सव तहसील साहू समाज द्वारा सम्पन हुआ यह वार्षिक महोत्सव दिनांक 6 और 7 को मनाया गया जिसमें प्रथम दिन साहू समाज किरन्दुल द्वारा नविन समाज भवन का उतघाटन किया गया जिसके तत्पश्चात भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो जो समाजिक भवन से प्रारभ होकर नगर भ्रमण करते हुए श्री जगन्नाथ मंदिर में खिचड़ी प्रसाद के साथ संम्पन हुआ।

दूसरे दिवस में कर्मा परिसर में भगवताचार्य यामिनी देवी साहू जी द्वारा भजन और संकीर्तन किया गया उसके पश्चात डिप्टी सी.एम श्री अरूण साव द्वारा नवनिर्मित तेलिय सदन के नामकरण ससकार किया गया। कार्यक्रम को मबोधित करते हुए तेल घानि बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू ने समाज कि परम - परागत पहचान के बदलते समय की चुनोतियों पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा की कभी घानि के माध्यम से शुद्ध तेल उत्पादन साहू समाज की अजिवीका का प्रमुख आधार था लेकिन आधुनिक तकनिक के विस्तार के कारण यह व्यवसाय धीरे धीरे समाप्ति कि ओर बड़ गया है। इसपे उन्होने अपनी चिन्ता व्यक्त की है और बताया कि इसी परमपरा को बड़ाये रखने के लिए राज्य सरकार द्वार तेल घानी बोर्ड का गठन किया गया। कार्यक्रम को अगे बड़ाते हुए साहू समाज की प्रतिभाशालि लोग गायिका आरू साहू ने अपनी मधूर लोकगित प्रस्तुतियों से माहौल को लोक संस्कृति के रंगो से सराबोर कर दिया। साथ ही मैं कार्यक्रम मैं प्रस्तुत वरिस्ट नागरिक, जन्प्रतिनिदी, समाज से जुड़े सभी सदस्यों के लिए बोजन की वावस्था की गयी थी और सभी को तहसील साहू समाज किरंदुल द्वारा धन्यवाद् किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना से मेरी अधूरी इच्छा पूरी हुई :सरस्वती सोनवानी

बीजापुर 9 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। परिवार के पालन पोषण एवं दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिये स्वयं पर ही आश्रित हैं। जो कि आंगनबाड़ी सहायिका कर्मचारी के रूप में कार्य कर किसी तरह अपना जीवनयापन करते हैं। अब ऐसे में एक नये आवास की कल्पना भी एक जागते हुए सपने के बराबर लगता था। वह एक छोटे से कच्चे मकान पर निवासरत थे, जिसमें कमरे छोटे एवं जगह कम होने के कारण घरेलु सामान रखने में अव्यवस्थायें होती थी एवं बरसात में अन्य प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। ''मोर जमीन-मोर मकान'' के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के टीम के द्वारा फार्म भरवाकर शासन को प्रस्ताव भेजा गया। मकान की स्वीकृति प्रदान होने के उपरान्त आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण कई महीनों तक निर्माण करने में असमर्थ थे। जिसके उपरान्त नगर पालिका बीजापुर के अधिकारियों द्वारा आवास का निर्माण प्रारंभ करने के लिए प्रेरित किया गया। जिसके उपरान्त उन्होंने अपना मकान धीरे-धीरे करके पूर्ण किया। जिन्होने सपने में भी कभी स्वयं के पक्के मकान की कामना नहीं किये थे। आज वह अपने पक्के घर में खुशी और सम्मान के साथ रह रही हैं। उन्होंने

इस उपलब्धि के लिए नगर पालिका बीजापुर, राज्य शासन और माननीय प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री केदार कश्यप ने साहित्यकारों के सम्मान के साथ तीन किताबों का किया विमोचन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 9 जून। छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, जनजातीय परंपराओं और साहित्यिक विरासत को नई पहचान देने वाली तीन पुस्तकों का विमोचन वन मंत्री केदार कश्यप ने आज सोमवार को किया। कार्यक्रम में साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में योगदान देने वाले लेखकों, साहित्यकारों का सम्मान भी हुआ। इस दौरान छत्तीसगढ़ी साहित्यकार डॉ. गीतेश अमरोहित सरस्वती बुक्स के प्रकाशक आकाश महेश्वरी मौजूद रहे। केदार कश्यप ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है। जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण में लेखकों की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकें वर्तमान पीढ़ी को जड़ों से जोड़ती हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ज्ञान का स्रोत बनती हैं।

कार्यक्रम में बस्तर के वरिष्ठ साहित्यकार रुद्रनारायण पाणिग्रही को धुरवा पटका भेंटकर साहित्य लेखन, लोक संस्कृति के संरक्षण में योगदान के लिए स्मृति-चिह्न प्रदान किया गया। इसे साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में उनके लंबे समय के काम की सराहना बताया गया। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस मौके पर रुद्रनारायण पाणिग्रही की पुस्तक 'बस्तर की लोक संस्कृति' का विमोचन किया। पुस्तक में बस्तर की सांस्कृतिक परंपराओं,

लोक मान्यताओं, रीति-रिवाजों, सामाजिक जीवन का विस्तृत वर्णन है। केदार कश्यप ने डॉ. संजय अलंग की पुस्तक 'छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प परंपरा एवं संस्कृति' का भी विमोचन किया। डॉ. भागेश्वर पात्र की पुस्तक 'हल्बा जनजाति' भी जारी की गई।

रुद्रनारायण पाणिग्रही ने कहा कि बस्तर की संस्कृति और परंपराओं को व्यापक स्तर पर पहुंचाना उनका उद्देश्य रहा है। मौजूद साहित्यकारों ने ऐसे आयोजनों को साहित्य, संस्कृति के संवर्धन के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति, जनजातीय जीवन पर आधारित पुस्तकों की उपयोगिता पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि बस्तर और छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं को दस्तावेजी रूप देने का काम साहित्यकार लगातार कर रहे हैं। यह समाज और शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी है।

11-12 जून को बस्तर से छत्तीसगढ़ में मानसून के प्रवेश की संभावना

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 9 जून। बस्तर संभाग में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन को लेकर मौसम विभाग ने ताजा पूर्वानुमान जारी किया है। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट (आईएमडी)के अनुसार बस्तर से होते हुए छत्तीसगढ़ में मानसून का प्रवेश 11-12 जून को होने की संभावना है। बस्तर में प्री-मानसून पहले से सक्रिय है। बीते दो दिनों से बारिश नहीं हुई है, लेकिन आज मंगलवार सुबह से ही बस्तर संभाग में काले घने बादल छाये हुए हैं, जिससे उमस भरी गर्मी बढ़ी है। आज 9 जून को बारिश के आसार हैं। बंगाल की खाड़ी से नमी वाली मानसूनी हवाएं सक्रिय हो रही हैं। 11 जून तक दक्षिण-पश्चिम मानसून का असर पूरे क्षेत्र में फैलने की संभावना है। इस वर्ष मानसून बस्तर में सामान्य समय से दो -तीन दिन पहले पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 10 से 15 जून के बीच बस्तर में प्रवेश करता है। कुछ वर्षों में यह 12 से 16 जून के बीच पूरी तरह सक्रिय होता रहा है।

उल्लेखनिय है कि वर्ष 2016 से 2025 तक 10 वर्षों में बस्तर में मानसून 10 से 16 जून के बीच पहुंचता रहा है। इस वर्ष 11 जून को मानसून के आने का अनुमान है। ज्यादातर वर्षों में यह 12 से 14 जून के आस-पास आता रहा है। वर्ष 2023 में मानसून 10 से 12 जून के आस-पास पहुंचा था। वर्ष 2019 और 2024 में यह 14 से 16 जून के बीच पहुंचा था। आईएमडी के अनुसार बीते 10 वर्षों में बस्तर में मानसून का ट्रेंड ऐसा रहा। वर्ष 2016 में 13 से 15 जून। वर्ष 2017 में 12 से 14 जून। वर्ष 2018 में 11 से 13 जून। 2019 में 14 से 16 जून। वर्ष 2020 में 12 से 14 जून। वर्ष 2021 में 13 से 15 जून। वर्ष 2022 में 12 से 14 जून। वर्ष2023 में 10 से 12 जून। वर्ष 2024 में 13 से 15 जून। वर्ष 2025 में 12 से 15 जून तक मानसून बस्तर से होते हुए छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया था।

किरंदुल में कांग्रेस की मांग पर उद्घाटन से पूर्व उपमुख्यमंत्री साव ने लिया ज्ञापन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

किरंदुल 9 जून। कांग्रेस के जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी को रामपुर कैंप में रोक कर ज्ञापन सौंपने हेतु एकत्रित हुए। कांग्रेस जनप्रतिनिधियों की स्पष्ट मांग थी कि उद्घाटन कार्यक्रम से पूर्व ही जनता की समस्याओं से संबंधित ज्ञापन स्वीकार किया जाए।

प्रारंभ में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उपमुख्यमंत्री से गेस्ट हाउस में मुलाकात का समय दिए जाने की जानकारी दी गई। इसके पश्चात कांग्रेस जनप्रतिनिधि ने कहा उद्घाटन से पूर्व हम ज्ञापन सौंपेंगे। उसके बाद कार्यकर्ता गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां उपमुख्यमंत्री अरुण साव जी ने उद्घाटन कार्यक्रम में जाने से पहले ज्ञापन स्वीकार किया तथा कांग्रेस जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं को गंभीरता से सुना। कांग्रेस जनप्रतिनिधियों कि प्रमुख मांग थी कि उद्घाटन कार्यक्रम से पहले जनता की समस्याओं पर ध्यान दिया जाए। उपमुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन से पूर्व ज्ञापन स्वीकार कर समस्याएं सुनना कांग्रेस की मांग की स्वीकृति है तथा जनता की आवाज़ की जीत है।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा कांग्रेस, एनएसयूआई एवं महिला कांग्रेस के साथियों का विशेष योगदान रहा। बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने जनसमस्याओं को मजबूती से उठाते हुए कांग्रेस की जनहित के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

वन मंत्री ने पद्मश्री हेमचंद एवं साहित्यकार शिव कुमार का किया सम्मान

नारायणपुर, 9 जून । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, विकास, विश्वास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत प्रदेश के वनमंत्री केदार कश्यप ने आज नारायणपुर पहुंचकर पद्मश्री सम्मान से अलंकृत प्रसिद्ध वैद्यराज हेमचंद मांझी तथा क्षेत्र के वरिष्ठ साहित्यकार शिव कुमार पाण्डेय से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर मंत्री केदार कश्यप ने दोनों प्रबुद्ध नागरिकों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया तथा समाज, संस्कृति, साहित्य और पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण में उनके योगदान की सराहना की। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है और देश आत्मनिर्भरता तथा समावेशी विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रेरणा स्रोत व्यक्तित्वों का सम्मान करना हमारी संस्कृति और परंपरा का हिस्सा है तथा उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जगदलपुर जिला सहकारी बैंक उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा तथा नारायणपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उर्वरक दुकानों का कृषि-राजस्व विभाग ने किया निरीक्षण, सभी अभिलेख एवं स्टॉक मिले दुरुस्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 9 जून। कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल द्वारा जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं तथा सरकारी समितियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विकासखंड भोपालपटनम के ग्राम मद्देड़ स्थित मेसर्स लक्ष्मी मार्केटिंग एवं बालाजी ट्रेडर्स एंड जनरल स्टोर में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन किया गया।

संयुक्त दल ने दुकानों में उपलब्ध 20-20-0-13, यूरिया एवं टी.एस.पी. उर्वरकों के पास मशीन में दर्ज स्टॉक का भौतिक स्टॉक से मिलान किया। साथ ही उर्वरक विक्रय से संबंधित

दस्तावेजों जैसे अनुज्ञप्ति प्रमाण-पत्र, ओ-फॉर्म की वैधता तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों के बीज विक्रय लाइसेंस, स्रोत प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों का भी परीक्षण किया गया। जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं पाई गई और सभी दस्तावेज नियमानुसार पाए गए।

गुणवत्ता परीक्षण के उद्देश्य से विक्रय केंद्रों में उपलब्ध भंडारण से एक यूरिया तथा धान बीज के तीन नमूने संग्रहित किए गए, जिन्हें परीक्षण हेतु भेजा जाएगा। निरीक्षण दल में उग्रेश कुमार देवांगन एवं कृष्णा सिन्हा, सहायक संचालक कृषि तथा लक्ष्मण कुमार राठिया, तहसीलदार भोपालपटनम उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि किसानों को गुणवत्तायुक्त कृषि आदान उपलब्ध कराने एवं कालाबाजारी पर रोक लगाने के उद्देश्य से इस प्रकार की जांच आगे भी जारी रहेगी।

शासकीय पालीटेक्निक बीजापुर में काउसिलिंग प्रारंभ

बीजापुर 9 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। राज्य की पालीटेक्निक संस्थाओं में प्रवेश हेतु संचालनालय तकनीकी शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन के अधीन काउंसिलिंग द्वारा प्रवेश की समय सारणी के अनुसार प्रथम चरण 11 जून 2026, द्वितीय चरण 26 जून 2026 एवं अंतिम चरण 11 जुलाई 2026 से संपादित होना है। जिला बीजापुर में संचालित पालीटेक्निक में सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं। काउंसिलिंग की सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी हेतु इच्छुक अभ्यर्थी मोबाइल नम्बर 9584846620, 9399971057 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। या अभ्यर्थी स्वयं संस्था में उपस्थित होकर मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं।

नक्सल पुनर्वास नीति के तहत मृतकों के परिजन को 45 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर 9 जून। (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर विश्वदीप द्वारा नक्सली हिंसा में किसी आम नागरिक के मृत्यु/शारीरिक रूप से नि:शक्त होने/गंभीर रूप से घायल होने अथवा किसी व्यक्ति की सम्पति की आंशिक या पूर्ण रूप से क्षति होने या हत्या के ऐसे प्रकरणों में जिसमें किसी कारण वश शासकीय सेवा प्रदाय नहीं किया जा सकता ऐसे नक्सलवाद पीड़ित परिवारों को शासकीय सेवा के एवज में 15 लाख रूपए की सहायता राशि प्रदाय करने स्वीकृत किया गया है। जिसमें से मृतक माड़वी केसा के निकटतम वारिस उनके भाई कोसा माड़वी, मृतक कुड़ियम सुक्कू के निकटतम वारिस उनकी बहन अंजनी कुड़ियम एवं मृतक जुन्गू मोड़ियम के निकटतम वारिस उनकी पत्नी पायकी मोड़ियम को 15-15 लाख रूपए कुल तीन पीड़ितों के परिजनों को 45 लाख रूपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति दी गई है।

मोदी की गारंटी, विष्णु के सुशासन से बदल रही लोगों की जिंदगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 9 जून। कभी बरसात की रातें चिंता और परेशानी लेकर आती थी। कच्चे खपरे के मकान की टपकती छत के नीचे पूरा परिवार रातभर जागकर समय बिताता था। बारिश के मौसम में घर के भीतर पानी भर जाता था और परिवार को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आज ग्राम पंचायत भैनापारा निवासी पुरुषोत्तम यादव अपने पक्के घर में सुरक्षित, सम्मानजनक और सुकूनभरा जीवन जी रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का आवास मिला है, जिसने उनके जीवन की तस्वीर बदल दी है।

सुशासन तिहार के समाधान शिविर में पुरुषोत्तम यादव को उनके नवनिर्मित आवास की चाबी और अधिकार पत्र सौंपा गया। चाबी प्राप्त करते समय उनके चेहरे पर वर्षों के संघर्ष के बाद मिली खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने बताया कि पहले कच्चे मकान में हर बारिश उनके परिवार के लिए नई परेशानी लेकर आती थी, लेकिन अब पक्का घर मिलने से भविष्य की चिंता काफी हद तक समाप्त हो गई है।

पुरुषोत्तम यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह घर केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि उनके परिवार की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य की गारंटी है। उन्होंने कहा कि सरकार की इस योजना ने उनके परिवार को नई जिंदगी और नया आत्मविश्वास दिया है।

आवास योजना से बदल रही हजारों परिवारों की जिंदगी

रायगढ़ जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना का प्रभावी क्रियान्वयन ग्रामीण गरीब परिवारों के जीवन में बड़ा बदलाव ला रहा है। वित्तीय वर्ष 2016 से 2023 तक निर्धारित 57 हजार 793 आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 55 हजार 925 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 53 हजार 489 आवासों में से 43 हजार 164 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 9 हजार 679 आवासों में से अब तक 2 हजार 700 से अधिक आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। लगातार जारी निर्माण कार्यों से हजारों जरूरतमंद परिवारों को पक्की छत का सपना साकार होता दिखाई दे रहा है।

सुशासन तिहार बन रहा खुशियों का माध्यम

सुशासन तिहार के दौरान केवल समस्याओं के निराकरण तक ही सीमित नहीं रहा जा रहा है, बल्कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना भी सुनिश्चित किया जा रहा है। आवास निर्माण पूर्ण कर चुके हितग्राहियों को समाधान शिविरों में ही चाबी और अधिकार पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। इससे हितग्राहियों में विशेष उत्साह और विश्वास का वातावरण निर्मित हुआ है।

चार दीवारों से बढ़कर है पक्का घर

ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए पक्का घर केवल ईंट और सीमेंट से बना भवन नहीं होता, बल्कि यह सुरक्षा, सम्मान, आत्मविश्वास और बेहतर जीवन का आधार होता है। पुरुषोत्तम यादव जैसे हजारों हितग्राहियों की मुस्कान इस बात की गवाही दे रही है कि मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में विकास योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है तथा प्रदेश में जनकल्याण और समावेशी विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सीएमएचओ कार्यालय परिसर में पौधरोपण

रायगढ़, 9 जून। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यालय परिसर में 5 कटहल एवं 5 नीम के पौधे रोपे गए। पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रंजना पैकरा, नोडल अधिकारी डॉ. सुमीत मंडल तथा एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. कल्याणी पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता निभाई।

एक नजर

11 जून को लाईवलीहुड कॉलेज धमतरी में लगेगा रोजगार मेला, 357 पदों पर होगी भर्ती

धमतरी, 9 जून । जिले के शिक्षित एवं रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 11 जून 2026 को लाईवलीहुड कॉलेज, धमतरी में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार मेले के माध्यम से विभिन्न प्रतिष्ठित निजी संस्थानों द्वारा सुपरवाईजर, असिस्टेंट सुपरवाईजर, हाउस कीपिंग स्टाफ सहित कुल 357 पदों पर भर्ती की जाएगी।सहायक परियोजना अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता पांचवीं एवं दसवीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। इच्छुक युवा अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार के फोटो एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि को उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन 22 जून तक

धमतरी, 9 जून । एकीकृत बाल विकास परियोजना कुरूद के तहत आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-01 अटंग में कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी केन्द्र परसट्ठी में सहायिका के भर्ती के लिए आगामी 22 जून तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी ने बताया कि कार्यकर्ता एवं सहायिका भर्ती के लिए इच्छुक पात्र महिलाएं ई-भर्ती पोर्टल URL:-https://aww.e-bharti.in/ पर ऑनलाईन आवेदन कर सकतीं हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन अमान्य की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए संबंधित ग्राम पंचायत अथवा परियोजना कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के तहत 5 जुलाई को चयन परीक्षा

धमतरी, 9 जून । जिले के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को राज्य के उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में निःशुल्क अध्ययन एवं प्रवेश का अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु चयन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। यह परीक्षा 05 जुलाई 2026, रविवार को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित होगी।सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि परीक्षा में शामिल होने के लिए विद्यार्थी का वर्तमान में कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत होना तथा कक्षा 4वीं की परीक्षा में न्यूनतम 80 प्रतिशत अंक अथवा समकक्ष ग्रेड प्राप्त होना अनिवार्य है। चयन परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए जारी हुआ अनंतिम मूल्यांकन पत्रक, 17 जून तक कर सकेंगे दावा-आपत्ति

रायगढ़, 9 जून। एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ शहरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र हनुमाननगर, वार्ड क्रमांक-28 में आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद की भर्ती प्रक्रिया के तहत प्राविधिक (अनंतिम) मूल्यांकन पत्रक जारी कर दिया गया है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अभ्यर्थी महिला एवं बाल विकास विभाग के ऑनलाइन पोर्टल aww.e-bharti.in के माध्यम से 17 जून 2026 तक ऑनलाइन दावा या आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। दावा-आपत्ति केवल निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इसलिए संबंधित अभ्यर्थी समय रहते पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी का अवलोकन कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। अन्य विस्तृत जानकारी के लिए परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना रायगढ़ शहरी कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

बाल मधुमेह की समय पर पहचान से बचाई जा सकती है बच्चों की जिंदगी

रायगढ़, 9 जून। बच्चों में तेजी से बढ़ रही टाइप-1 डायबिटीज (बाल मधुमेह) की समय पर पहचान और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफ छत्तीसगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कलेक्टर के निर्देश पर आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के 70 स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों एवं लेडी हेल्थ विजिटर्स ने भाग लिया।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों को बच्चों में होने वाले टाइप-1 डायबिटीज के शुरुआती लक्षणों की पहचान, समयानुकूल उपचार, परामर्श और दीर्घकालिक प्रबंधन संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान करना था, ताकि समुदाय स्तर पर प्रभावित बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने टाइप-1 डायबिटीज की पहचान, उपचार एवं प्रबंधन, रोगी एवं परिजनों की काउंसलिंग, रोगी सहायता समूहों की भूमिका, समुदाय आधारित जागरूकता रणनीतियों तथा मानसिक स्वास्थ्य एवं पारिवारिक सहयोग के महत्व जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों ने समूह गतिविधियों और अनुभव साझा कर विषय की व्यावहारिक समझ विकसित की।

याशीष फाउंडेशन ने सात माह में 50 रक्तदान शिविर आयोजित कर रचा सेवा का स्वर्णिम इतिहास

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम, 9 जून। मानवता की मिशाल जब समाज में संवेदनाएं जीवित होती हैं, तब सेवा केवल एक कार्य नहीं बल्कि जनकल्याण का महायज्ञ बन जाती है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए याशीष फाउंडेशन ने मानव सेवा के क्षेत्र में एक ऐसी अमिट छाप छोड़ी है, जो आज पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी है। संस्था ने मात्र सात महीनों में लगातार 50 रक्तदान शिविरों का सफल आयोजन कर समाज सेवा का एक नया अध्याय लिखा है।

रक्तदान जैसे महादान के माध्यम से याशीष फाउंडेशन ने न केवल लोगों को जागरूक किया, बल्कि उन्हें मानव जीवन बचाने के इस पुण्य कार्य से भी जोड़ा। संस्था के समर्पित कार्यकर्ताओं, रक्तवीरों एवं समाजसेवियों के अथक सहयोग से अब तक 800 से अधिक जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा चुका है। इसका परिणाम यह हुआ कि क्षेत्र में रक्त की कमी से जूझ रहे मरीजों और उनके परिजनों को बड़ी

राहत मिली तथा अनेक परिवारों के चेहरे पर पुनः मुस्कान लौट सकी।मानवता के इस अनुकरणीय अभियान और निरंतर जनसेवा की भावना को देखते हुए आशीर्वाद ब्लड बैंक के प्रबंध निदेशक (एम.डी.) द्वारा याशीष फाउंडेशन को सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल एक संस्था का नहीं, बल्कि उन सभी रक्तदाताओं और स्वयंसेवकों का सम्मान है जिन्होंने निस्वार्थ भाव से मानव जीवन बचाने के इस अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है।भीषण गर्मी के इस कठिन दौर में, जब रक्त की उपलब्धता गंभीर चुनौती बनी हुई थी और अनेक स्थानों पर बिना डोनर एक्सचेंज के रक्त उपलब्ध कराना संभव नहीं हो पा रहा था, तब याशीष फाउंडेशन ने आशा की किरण बनकर अपनी जिम्मेदारी निभाई। संस्था के सक्रिय सहयोग से आशीर्वाद ब्लड बैंक, नयापारा राजिम शाखा अनेक जरूरतमंद मरीजों को बिना डोनर उपलब्ध हुए भी समय पर रक्त प्रदान करने में सफल रही। यह उपलब्धि केवल संगठनात्मक सफलता नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है।याशीष फाउंडेशन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उसने सेवा को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाया। संस्था के सदस्यों ने लोगों के दर्द को अपना दर्द समझते हुए हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचाने का सतत प्रयास किया। यही कारण है कि केवल 37 दिनों में 121 लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित एवं रक्तदान संपन्न कराकर संस्था ने सेवा का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस प्रयास से अनेक गंभीर मरीजों को नया जीवन मिला और कई परिवारों को अपने प्रियजनों को खोने के दर्द से बचाया जा सका। आज याशीष फाउंडेशन का नाम सेवा, समर्पण, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का पर्याय बन चुका है। संस्था का यह सतत अभियान समाज में परोपकार, भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत कर रहा है। रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने का यह अभियान आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेगा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता। आशीर्वाद ब्लड बैंक परिवार, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों तथा लाभान्वित परिवारों ने याशीष फाउंडेशन के इस अतुलनीय योगदान के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए संस्था के उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर जनसेवा की मंगलकामना की है।

दुर्गम पहाड़ों के बीच शांति सोनवानी ने 47 कोरवा महिलाओं का कराया ई-केवाईसी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 9 जून। शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना का लाभ प्रत्येक पात्र महिला तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इन प्रयासों को सफल बनाने में मैदानी स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका एक प्रेरणादायी उदाहरण एकीकृत बाल विकास परियोजना कापू के अंतर्गत आने वाले बरघाट आंगनबाड़ी केन्द्र में देखने को मिला, जहां आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शांति सोनवानी ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बावजूद असाधारण समर्पण का परिचय देते हुए सभी पात्र महिलाओं का ई-केवाईसी पूर्ण कराया।

जिला मुख्यालय रायगढ़ से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित कापू परियोजना क्षेत्र के बरघाट गांव तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं है। यह गांव ग्राम पंचायत कुमरता से लगभग तीन

किलोमीटर दूर पहाड़ी के ऊपर स्थित है। गांव तक पहुंचने के लिए पथरीले, ऊबड़-खाबड़ और जंगलों से होकर गुजरने वाले कठिन मार्गों से यात्रा करनी पड़ती है। बावजूद इसके, श्रीमती शांति सोनवानी ने हार नहीं मानी और शासन की योजना को अंतिम छोर तक पहुंचाने का संकल्प लेकर लगातार प्रयास करती रहीं।

बरघाट गांव विशेष पिछड़ी जनजाति कोरवा समुदाय का निवास क्षेत्र है। यहां रहने वाले अधिकांश परिवार आज भी सीमित संसाधनों और पारंपरिक जीवनशैली के बीच जीवन-यापन करते हैं। तकनीकी जानकारी और डिजिटल सेवाओं तक सीमित पहुंच होने के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करने के निर्देश मिलने के बाद बरघाट क्षेत्र की 49 महिलाओं का ई-केवाईसी कराना एक बड़ी चुनौती थी। यदि समय पर ई-केवाईसी नहीं होता, तो महिलाओं को योजना की आर्थिक सहायता प्राप्त करने में परेशानी हो सकती थी।

स्वयं कोरवा जनजाति समुदाय से जुड़ी श्रीमती शांति सोनवानी ने महिलाओं के बीच पहुंचकर उन्हें योजना के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी पूर्ण होने से उन्हें शासन द्वारा मिलने वाली सहायता राशि नियमित रूप से प्राप्त होती रहेगी। प्रारंभ में कई महिलाएं तकनीकी प्रक्रिया और लंबी दूरी तय करने को लेकर हिचकिचा रही थीं, लेकिन शांति सोनवानी ने धैर्य और संवेदनशीलता के साथ उनका विश्वास जीता। महिलाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्रीमती शांति सोनवानी ने स्वयं हितग्राहियों को समूह बनाकर पहाड़ी रास्तों से ग्राम पंचायत कुमरता स्थित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तक पहुंचाने की व्यवस्था की। कई अवसरों पर उन्हें सुबह से शाम तक पैदल चलकर महिलाओं को केन्द्र तक लाना पड़ा। कठिन चढ़ाई, जंगलों से गुजरने वाले रास्ते और परिवहन सुविधाओं के अभाव जैसी चुनौतियों के बावजूद उन्होंने अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं आने दी।

उनकी अथक मेहनत और समर्पण का परिणाम यह रहा कि क्षेत्र की 49 में से सभी 47 महिलाओं का सफलतापूर्वक ई-केवाईसी पूर्ण कराया गया। इससे इन सभी हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। ग्रामीण महिलाओं ने श्रीमती शांति सोनवानी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग और मार्गदर्शन के बिना ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर पाना संभव नहीं था।

जनदर्शन जनसमस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम: कलेक्टर

रायगढ़, 9 जून। जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित जनदर्शन में सोमवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं। जनदर्शन में मनरेगा कार्यों में अनियमितता, प्रधानमंत्री आवास योजना की लंबित किस्त, भूमि नक्शा दुरुस्ती, अवैध अतिक्रमण, दिव्यांग पेंशन, मुआवजा राशि तथा सड़क निर्माण से जुड़े प्रकरण प्रमुख रूप से सामने आए। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ परीक्षण कर आमजनों को शीघ्र राहत प्रदान की जाए। खरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सेंदरीपाली के ग्रामीणों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत कराए गए कार्यों में अनियमितता की शिकायत करते हुए जांच की मांग की। कलेक्टर ने मामले पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को जांच करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार ग्राम बैस्कीमुड़ा निवासी तमेश्वर प्रधान ने अपनी भूमि के नक्शा दुरुस्ती की मांग रखी।

जिले में सुरक्षा गार्ड एवं सुरक्षा अधिकारी के 556 पदों पर भर्ती, 10 जून से जनपदवार कैंप शुरू

रायगढ़, 8 जून । जिले के बेरोजगार युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष औद्योगिक सुरक्षा वीर भर्ती जिला-रायगढ़ द्वारा जिले में सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर, एसआईएस एसएलवी एवं सुरक्षा अधिकारी के कुल 556 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों में 10 जून से 17 जून 2026 तक भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को एक माह का आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद उन्हें विभिन्न संस्थानों एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों में नियुक्ति दी जाएगी। संस्था के अनुसार प्रशिक्षण उपरांत रोजगार की 100 प्रतिशत संभावना सुनिश्चित की जाएगी।

भर्ती शिविरों का आयोजन जिले के जनपद पंचायत स्तर पर किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 जून को जनपद पंचायत धरमजयगढ़, 11 जून को लैलूंगा, 12 जून को घरघोड़ा, 13 जून को तमनार, 15 जून को खरसिया, 16 जून को पुसौर तथा 17 जून को जनपद पंचायत रायगढ़ में भर्ती कैंप आयोजित होंगे। इच्छुक अभ्यर्थियों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाने होंगे। भर्ती प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित की जाएगी। अन्य जिलों के अभ्यर्थी भी इन शिविरों में शामिल हो सकते हैं।

भर्ती के लिए अलग-अलग पदों हेतु शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा एवं शारीरिक मापदंड निर्धारित किए गए हैं। सुरक्षा गार्ड पद के लिए 10वीं पास या फेल अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं, जबकि सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए 12वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। एसआईएस एसएलवी के 10वीं पास या फेल तथा सुरक्षा अधिकारी पद हेतु स्नातक योग्यता निर्धारित की गई है। सुरक्षा गार्ड पद पर चयनित अभ्यर्थियों को 15 हजार से 27 हजार रुपए प्रतिमाह, सुरक्षा सुपरवाइजर को 17 हजार से 32 हजार रुपए, एसआईएस एसएलवी को 15 हजार से 20 हजार तथा सुरक्षा अधिकारी को 33 हजार से 40 हजार रुपए तक मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा। संस्था ने बताया कि योग्य एवं पात्र अभ्यर्थियों को देशभर में उपलब्ध रोजगार अवसरों के अनुसार नियुक्ति दी जाएगी। संस्था द्वारा उपलब्ध जानकारी के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को पीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, बीमा, आवासीय सुविधा, पेंशन संबंधी लाभ तथा समय-समय पर वेतन वृद्धि जैसी सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। भर्ती से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 6268824394 एवं 7004623515 पर संपर्क कर सकते हैं।

जिले के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार का सुनहरा अवसर

रायगढ़, 9 जून। जिले के युवाओं के लिए विदेश में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के अंतर्गत भारत-इजराइल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट के तहत इजराइल में होम बेस्ड केयर गिवर के 3,500 पदों पर भर्ती की जा रही है। भर्ती के लिए अभ्यर्थी की आयु 25 से 45 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है तथा इंटरमीडिएट स्तर पर अंग्रेजी विषय का अध्ययन किया होना चाहिए।आवेदक के पास कम से कम तीन वर्ष की वैधता वाला पासपोर्ट होना आवश्यक है। इसके अलावा अभ्यर्थी शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हो तथा उसकी लंबाई 1.5 मीटर एवं वजन 45 किलोग्राम से अधिक होना चाहिए। पद के लिए भारतीय नियामक प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त 990 घंटे के ओजेटी सहित केयर गिविंग प्रमाणपत्र अनिवार्य है। जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, आक्जलरी नर्स, मिडवाईफ, जनरल नर्स मिडवाईफ, बीएससी नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, नर्स असिस्टेंट अथवा मिडवाईफ संबंधी योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी आवेदन के पात्र होंगे।

रोजगार एवं आवास दिवस पर ग्रामीण विकास योजनाओं को मिली नई गति

रायगढ़, 9 जून । जिले में रोजगार दिवस एवं आवास दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को नई गति प्रदान की गई। इस दौरान महात्मा गांधी नरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना, जनमन योजना तथा वीबी-जीरामजी के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई और योजनाओं के लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने बताया कि जिले में प्रत्येक माह रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को रोजगार संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ योजनाओं के प्रभावी संचालन की निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि रोजगार और आवास से जुड़ी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आवास दिवस के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं जनमन योजना के अंतर्गत अपूर्ण आवासों वाले हितग्राहियों से संपर्क स्थापित कर उन्हें शीघ्र आवास पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों द्वारा हितग्राहियों की समस्याओं और शिकायतों का समाधान करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।बैठक एवं ग्राम स्तरीय कार्यक्रमों में लंबित आवासों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। प्रशासन ने आवास पूर्णता की गति बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास करने के निर्देश भी दिए।

बरभौना में 76 श्रमिकों ने किया तालाब गहरीकरण कार्य, जल संरक्षण को मिली मजबूती

रोजगार दिवस के अवसर पर ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मांग दर्ज कराने, उपलब्ध रोजगार अवसरों तथा मनरेगा के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी गई। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्यों को प्राथमिकता देने, वृक्षारोपण की तैयारियों में तेजी लाने तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जनपद पंचायत खरसिया के ग्राम पंचायत बरभौना में तालाब गहरीकरण कार्य के तहत 76 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। यह कार्य न केवल स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि वर्षा जल संचयन एवं जल संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत जलदूत ऐप में समय-सीमा के भीतर डेटा अपलोड, लंबित देयताओं की प्रविष्टि एवं भुगतान संबंधी कार्यवाही पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही क्यूआर कोड के माध्यम से योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

दिशा समिति बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लक्ष्यपूर्ति में तेजी लाने के निर्देश

रायगढ़, 9 जून । लोकसभा सांसद श्री राधेश्याम राठिया की अध्यक्षता में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा संचालित एवं राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों एवं लंबित कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिले में संचालित भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। वहीं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति से समिति को अवगत कराया। उन्होंने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं के तहत जिले में किए जा रहे कार्यों, उपलब्धियों एवं लक्ष्यपूर्ति की स्थिति की जानकारी दी। बैठक में लैलूंगा विधायक श्रीमती विद्यावती सिदार, महापौर श्री जीवर्धन चौहान,

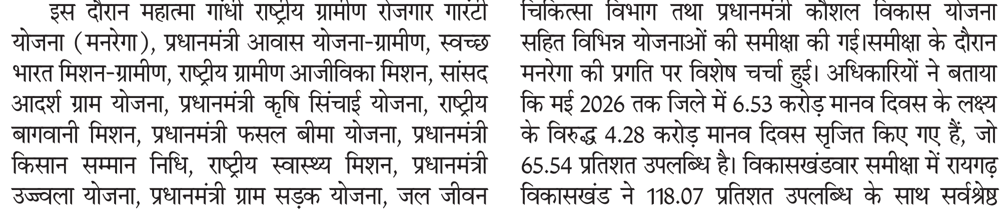

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविन्द्र गबेल, डीएफओ, नगर निगम आयुक्त सहित समिति के अन्य सम्मानित जनप्रतिनिधि सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, सांसद आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आरडीएसएस योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग तथा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान मनरेगा की प्रगति पर विशेष चर्चा हुई। अधिकारियों ने बताया कि मई 2026 तक जिले में 6.53 करोड़ मानव दिवस के लक्ष्य के विरुद्ध 4.28 करोड़ मानव दिवस सृजित किए गए हैं, जो 65.54 प्रतिशत उपलब्धि है। विकासखंडवार समीक्षा में रायगढ़ विकासखंड ने 118.07 प्रतिशत उपलब्धि के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जबकि पुसौर विकासखंड ने 92.79 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित की है। सांसद श्री राठिया ने सभी विकासखंडों में रोजगारमूलक कार्यों में तेजी लाने और लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वर्ष 2016-17 से 2022-23 तक समीक्षा की गई। जिसमें बताया गया कि जिसमें 96.77 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त हुई है। वहीं वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 53 हजार 479 आवासों में से 43 हजार 167 आवास पूर्ण किए जा चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत 9 हजार 679 आवासों में से 2 हजार 753 आवास पूर्ण हुए हैं। सांसद श्री राठिया ने अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने और पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) की समीक्षा के दौरान स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज की प्रगति की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में निर्धारित 5 हजार 200 समूहों के लक्ष्य के विरुद्ध 6 हजार 62 स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज से जोड़ा गया है। समूह संख्या के आधार पर 116.58 प्रतिशत तथा राशि के आधार पर 141.90 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई है।

एक नजर

रिसार्टो एवं ढाबों पर पर सोमनी पुलिस ने की छापेमारी

राजनांदगांव 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय सुश्री अंकिता शर्मा (भा0पु0से0) के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन व नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंण्डर के पर्यवेक्षण में अपराध के रोकथाम व नियंत्रण तथा काननू व शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु नशे के खिलाफ चलाए जा रहे सतत अभियान कार्यवाही के तहत थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक दिलीप पटेल के नेतृत्व में थाना सोमनी पुलिस की टीम गठित कर दिनांक 07.06.2026 के रात्रि में मनगटा व झूराडबरी क्षेत्र अंतर्गत स्थित रिसॉर्ट में औचक छापेमारी कार्यवाही किया गया।

रेत का अवैध उत्खनन करने पर 3 ट्रैक्टर जब्त

राजनांदगांव 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम द्वारा डोंगरगांव तहसील अंतर्गत ग्राम बरगांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टैक्टर क्रमांक सीजी 08 बीजी 4068, सीजी 08 एयू 5299, सीजी 08 बीए 6067 द्वारा रेत का अवैध उत्खनन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना डोंगरगांव को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

जिला निर्माण संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से की मुलाक़ात

भाटापारा 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। भाटापारा को स्वतंत्र जिला बनाने की मांग को लेकर वर्षो से संघर्षरत जिला निर्माण संघर्ष समिति के एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल ने विधायक इंद्र साव की अगुवाई में छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपते हुए भाटापारा को स्वतंत्र जिला बनाने की मांग रखी। विधानसभा अध्यक्ष ने इस विषय को पूरी गंभीरता से लेते हुए आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री से मुलाकात करते हुए सार्थक चर्चा कराने का आश्वासन दिया। स्वतंत्र जिला निर्माण संघर्ष समिति के सदस्यों ने डॉ रमन सिंह को पूर्व में गठित दुबे आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि एक लंबे समय से क्षेत्र के लोग संघर्ष करते करते थक से गए है,उनकी जायज मांग आज भी अधूरी है। स्वतंत जिला निर्माण ना होने से सभी वर्ग के लोग हताश और निराश हो गए है,उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि उनका हक और अधिकार को अब तक क्यों वंचित कर रखा गया है। डॉ रमन सिंह ने संघर्ष समिति को आश्वत किया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से तारीख लेकर विधानसभा अध्यक्ष की अगुवाई में जिला निर्माण संघर्ष समिति के पदाधिकारियों की एक मुलाकात की जाएगी और मुख्यमंत्री को अब तक के संघर्ष और जन भावना से अवगत कराया जाएगा। संघर्ष समिति के सदस्यों को मिठाई खिलाकर डॉ. रमन सिंह ने विदा किया। विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद संघर्ष समिति उत्साहित है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मुलाकात करने वालों में विधायक इन्द्र साव, पूर्व विधायक नरेन्द्र शर्मा ,पूर्व मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार बलदेव भारती, वरिष्ठ अधिवक्ता -जी डी मानिकपुरी, सुकृत साहू,राजकुमार मल,अजय साहू अमृतांशु,सचिन शर्मा,आशुतोष मिश्रा इत्यादि।

मितानिनों के लिए 18.39 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

बलौदाबाजार, 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मितानिनों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से संचालित मितानिन कल्याण कोष के अंतर्गत बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की मितानिनों को कुल 18 लाख 39 हजार 263 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। जिले की कार्यरत 2420 मितानिनों के लिए यह योजना कठिन परिस्थितियों में आर्थिक संबल प्रदान करने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। मितानिन कार्यक्रम का संचालन स्टेट हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर द्वारा किया जा रहा है तथा तकनीकी सहयोग सोसायटी फ़ॅार एक्शन इन कम्युनिटी हेल्थ (सच)द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

कम बारिश में भी धान की अच्छी फ़सल होगी कतार बोनी और नैनो डीएपी से

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 9 जून। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी अद्यतन दीर्घावधि पूर्वानुमान के अनुसार वर्ष 2026 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान देश में वर्षा दीर्घकालिक औसत के लगभग 90 प्रतिशत रहने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार एल-नीनो की स्थिति के कारण इस वर्ष मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है तथा जून माह में भी सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को जल संरक्षण आधारित वैज्ञानिक खेती अपनाने की सलाह दी जा रही है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार कम वर्षा अथवा वर्षा में लंबे अंतराल की स्थिति में धान की सीड ड्रिल द्वारा कतार बोनी किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। कतार बोनी में बीज निर्धारित गहराई एवं समान दूरी पर स्थापित होते हैं। जिससे अंकुरण बेहतर होता है तथा पौधों की जड़े अधिक गहराई तक विकसित होती हैं। मजबूत जड़ प्रणाली मिट्टी में उपलब्ध सीमित नमी का अधिकतम उपयोग करती है, जिससे सूखे जैसी परिस्थितियों में भी फ़सल अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती है। कृषि विशेषज्ञों ने बताया कि पारंपरिक छिटकवां बुवाई की तुलना में कतार बोनी में पौधों के बीच प्रतिस्पर्धा कम होती है। इससे उपलब्ध पानी, पोषक तत्व एवं सूर्य प्रकाश का समुचित उपयोग होता है। कतारों के बीच निराई-गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण आसान होने से मिट्टी की नमी लंबे समय तक संरक्षित रहती है। साथ ही उर्वरकों का उपयोग अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। जिससे कम पानी में भी फ़सल की वृद्धि बेहतर होती है।

कृषि विभाग किसानों को नैनो डीएपी के उपयोग हेतु भी प्रोत्साहित कर रहा है। नैनो डीएपी में फ़ास्फ़ोरस के सूक्ष्म कण होते हैं, जो पौधों द्वारा आसानी से ग्रहण किए जाते हैं। इसके उपयोग से जड़ों का विकास तेज होता है। प्रारंभिक वृद्धि में सुधार होता है तथा पौधों की पोषक तत्व उपयोग दक्षता बढ़ती है। कम नमी की स्थिति में भी पौधे उपलब्ध पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग कर पाते हैं। जिससे उनकी वृद्धि एवं उत्पादन क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि वे धान की बुवाई सीड ड्रिल के माध्यम से कतारों में करें, खेतों में मेड़बंदी एवं वर्षा जल संरक्षण के उपाय अपनाएं तथा अनुशंसित मात्रा में नैनो डीएपी, नैनो यूरिया एवं जैव उर्वरकों का उपयोग करें। इससे कम वर्षा की परिस्थितियों में भी फ़सल को पर्याप्त पोषण उपलब्ध होगा और उत्पादन में स्थिरता बनी रहेगी। उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने किसानों खरीफ 2026 में मौसम की संभावित चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कतार बोनी, नमी संरक्षण तथा नैनो उर्वरकों का समन्वित उपयोग कम वर्षा की स्थिति में फ़सल सुरक्षा और बेहतर उत्पादन का प्रभावी उपाय सिद्ध हो सकता है।

अग्निवीर, पुलिस विभाग और सहायक विस्तार अधिकारी बने युवाओं का सम्मान

रायपुर 9 जून। जयश्री राम निःशुल्क सैन्य प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण लेकर अग्निवीर, पुलिस विभाग और सहायक विस्तार अधिकारी बने युवाओं का रविवार को कलम विहार सेक्टर-13 में सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.उदयभान सिंह चौहान, जोन अध्यक्ष व पार्षद बद्रीप्रसाद गुप्ता, मनोज जांगड़े, सुभाष सिह उपस्थित थे।इस कार्यक्रम मे ट्रेनिंग सेंटर के संचालक पूर्व सैनिक पन्नालाल सिन्हा जी ने सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल जी से आग्रह किया कि लोक सभा मे आप आवाज उठावें कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है यहां के बच्चे में विकास कम होता है द्य तो एक दो सेंटीमीटर से फोर्स मे भर्ती होने के लिए बाहर हो जाता है द्य तो कृपया छत्तीसगढ़ को ऊंचाई के लिए अन्य स्टेट जैसे असम नागालैंड है उसके तरह छूट मिलना चाहिए । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा, देशभक्ति से बड़ा कोई बात नहीं होती देशभक्ति से बड़ा कोई काम नहीं होता और देशभक्ति से बड़ी कोई बात नहीं होती। ओर देशभक्ति से बड़ा कोई जीवन नहीं होता। जो देश के लिए कोई जीना सीख? उसे मरने की जरूरत नही है क्योंकि वो जीवित रहेगा तो देश को भी जीवित रखेगा। हम आजादी के पहले बोलते थे देश के लिए मरना सीखो, पर आजादी के बाद बोलते है देश के लिए जीना सीखो। हमे देश के लिए जीना है, देश के लिए काम करना है, हमें देश को आगे बढ़ाना है। आज हम जो शांति से काम कर रहे हैं, शांति से रह रहे हैं तो इसका श्रेय सीमा पर डटे हमारे जवानों को जाता है, जो माइनस टेंम्परेचर में गिलगित मे काम करते हैं, लेह लद्दाख में काम कर रहे हैं, सियाचीन में काम कर रहे हैं। जो हमारी सुरक्षा के लिए काम करते हैं। क्या उनको अपने परिवार की चिंता नहीं है, उनका भी परिवार है, वे अपने रिश्तेदार,

नातेदारों, दोस्त छोड़कर देश की सुरक्षा के लिए सीमा पर डटे रहते हैं। उन्हें चिंता होती हो तो देश की होती है, देश के तिरंगे की चिंता होती है, क्योंकि हमें देश का मान-सम्मान और उसका स्वाभीमान बचाए रखना है। हमारे देश के हर व्यक्ति, हर परिवार के मन में देशभक्ति की भावना पैदा हो, देश के लिए जीने की भावना पैदा हो, इसके लिए अग्निवीर के रूप में एक नए नाम से देश के लिए सेना भर्ती का काम शुरू हुआ। अग्निवीर को सीमा की ट्रेनिंग दे रहे हैं, ट्रेनिंग का मतलब ये नहीं कि सबकी भर्ती हो जाए, ट्रेनिंग का मतलब है कि हर घर में एक देशभक्त पेदा हो, हर घर में एक देशभक्त तैयार हो और देश के लिए जीने वाला हो।

हमारे देश के लिए शारीरिक रूप से सक्षम लोगों के तैयार होंगे तो वे अन्याय करने वाले, अत्याचार करने, दुराचार करने वाले, लोगों के साथ व्याभीचार करने वाले को सबक सिखा सकते हैं, लोगों की रक्षा कर सकते हैं, इसलिए जरूरी नहीं कि हम सैनिक बने, पुलिस में भर्त्ती हों, हम सीआरपीएफ में भर्ती हों, हम अन्य सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती हों, जरूरी नही है, हम बलिष्ट होकर समाज की सुरक्षा, परिवार की रक्षा करने का काम भी कर सकते हैं। आज जिनको मैं इस संस्थान के आमंत्रण पर मैं संस्थान मे निःशुल्क ट्रेनिंग प्राप्त कर भर्ती हुए जवानो के सम्मान समारोह कार्यक्रम मे सम्मानित कर रहा हू। मैं इसके लिए पूर्व सैनिक पन्नालाल सिन्हा, और संगठन के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं, जो ये मिलकर हमारी नई पीढ़ी को बलिष्ठ बनाने का काम कर रहे हैं, उनके सक्षम बनाने का काम कर रहे हैं। सांसद ने सैन्य प्रशिक्षण संस्थान द्वारा फौज में जाने के लिए युवाओं को तैयार करने में लगने वाले जरूरी संसाधनों के लिए पांच लाख रुपए देने की घोषणा की।

जयप्रकाश के जन्मदिन पर मरीजों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर 9 जून। सर्वसेन समाज जिला रायपुर के तत्वावधान में समाजसेवी, होम्योपैथी चिकित्सक एवं भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश संयोजक डॉ. जयप्रकाश शर्मा के जन्मदिवस के अवसर पर थैलेसीमिया एवं सिकल सेल पीड़ित मरीजों के लिए निशुल्क विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 23 यूनिट रक्तदान किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों एवं रक्तदाताओं ने डॉ. शर्मा के दीर्घायु, स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका जन्मदिन सादगीपूर्ण तरीके से मनाया। कार्यक्रम का आयोजन सर्वसेन समाज जिला अध्यक्ष डॉ. मनोज ठाकुर के नेतृत्व में किया गया, जिसमें रायपुर जिले के समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर डॉ. जयप्रकाश शर्मा ने सभी रक्तदाताओं एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके जीवन में इस प्रकार का जन्मदिन पहली बार मनाया गया है।

अनावरण समारोह आयोजित

दल्लीराजहरा 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। डौण्डी विकासखण्ड के कुसुमकसा जनपद क्षेत्रांतर्गत ग्राम चिपरा में अखिल भारतीय हल्बा–हल्बी आदिवासी समाज एवं हल्बा कर्मचारी प्रकोष्ठ द्वारा समाज के प्रेरणास्रोत एवं मार्गदर्शक स्वर्गीय श्री गैंद सिंह नायक जी की प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः पूजा–अर्चना एवं शोभायात्रा के साथ हुआ। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया तथा मुख्य समारोह में श्री गैंद सिंह नायक जी की प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने उनके सामाजिक योगदान, नेतृत्व क्षमता एवं समाज उत्थान के लिए किए गए कार्यों को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा देवलाल ठाकुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रमुख निजाम सिंह कोसमा, विशिष्ट अथिति पूर्व जनपद सदस्य संजय बैस रह। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वर्गीय श्री गैंद सिंह नायक जी का जीवन समाज सेवा, समर्पण और नेतृत्व का प्रतीक रहा है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करती रहेगी। आगे विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं समाज के वरिष्ठजनों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज को एकता, शिक्षा एवं विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह में सामाजिक परिचर्चा, उद्बोधन एवं सामुदायिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

ग्राम आसरा में जल संरक्षण के लिए नाले में किया बोरी बंधान,सिंचाई पानी मिलेगा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 9 जून। डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम आसरा में मिशन जल रक्षा के तहत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बोरी बंधान का कार्य पूर्ण किया गया। जिसका अध्यक्ष जनपद पंचयत डोंगरगांव श्रीमती रंजीता कपिल पडौती एवं अन्य जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने अवलोकन किया। अध्यक्ष जनपद पंचयत डोंगरगांव श्रीमती रंजीता कपिल पडौती ने कहा कि बोरी बंधान जैसे प्रयासों से गांव में जल संकट की समस्या का समाधान किया जा सकता है।

बोरी बंधान जैसे प्रसासों से वर्षा के जल को रोककर भू-जल स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी जा सकती है। जनपद सदस्य श्रीमती अनिता पंचारी ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया। सरपंच श्री शरद वैष्णव ने बताया कि सीमेंट की बोरियों में रेत-मिट्टी भरकर बनाए गए इस अस्थायी बंधान से नाले का पानी रूकेगा। बोरी बंधान से गांव में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और पशुओं के लिए भी पीने का पानी मिलेगा। जिससे आसपास के खेतों को रबी सीजन में सिंचाई का लाभ मिलेगा। इस दौरान बताया गया कि मिशन जल रक्षा के तहत जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जनपद पंचायत डोंगरगांव के ग्राम पंचायत सुखरी, कु. भाठागांव, सालिकझिटीया, खम्हेरा में भी बोरी बंधान का कार्य किया गया है। साथ ही क्षेत्र में वर्षा ऋतु के पूर्व अधिक से अधिक वर्षा के जल को संरक्षित करने सभी छोटे नाले में बोरी बधान का कार्य करने अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर पर उपसरपंच श्रीमती अरूण बाई, श्री अंशुमान वैष्णव, सचिव श्री बिहारी लाल मंडावी, रोजगार सहायक श्री कौशल कुंजाम, समस्त पंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

उड़नदस्ता ने 48 बोरी अवैध उर्वरक जब्त कर 3 केंद्रों को नोटिस दिया

बलौदाबाजार, 9 जून(तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले के किसानों को गुणवत्ता युक्त उर्वरक उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी रोकने के उद्देश्य से जिला स्तरीय उड़न दस्ता दल का गठन किया गया है।उड़न दस्ता दल के द्वारा सोमवार को 48 बोरी अवैध उर्वरक जब्त किया गया। नोडल अधिकारी एन के भारद्वाज के अगुवाई में विकासखंड बलौदाबाजार के ग्राम कैलाशगढ़ में संचालित अतुल ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में बिना पॉस मशीन के अवैध रूप से 48 बोरी उर्वरक का भंडारण पाया गया तथा विक्रय केंद्र में दस्तावेज का उचित संधारण नहीं पाया गया तथा उपलब्ध स्कंध एवं दर सूची प्रदर्शित नहीं किया गया था।उक्त अनियमितता को गंभीर मानते हुए उड़न दस्ता दल द्वारा मौके पर उपलब्ध 48 बोरी उर्वरक को जब्त कर दुकान सील गया किया गया है। साथ ही विक्रेता को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। जवाब प्राप्त होने के पश्चात नियम अनुसार आगामी कार्रवाई की जावेगी।

कार्यालय नगर पंचायत बारसूर
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
EmailId :- barsoorcmo@gmail.com

क्रमांक/334/लो.नि.शा./न.पं./2026-27 बारसूर, दिनांक 08/06/2026

-:: मैनुअल पद्धति अंतर्गत प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना ::-

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मा से छत्तीसगढ़ लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2015, सड़क एस.ओ.आर. दिनांक 01/01/2025 एवं विद्युत एस.ओ.आर. दिनांक 01/07/2020 तथा पी.एच.ई.डी. एस.ओ.आर. 2020 को जारी दिनांक तक संशोधित के आधार पर निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा प्रपत्र/फार्म 'ए' में दर अनुसूची से कम/बराबर/अधिक प्रतिशत दर पर मैनुअल पद्धति से पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से निविदा आमंत्रित की जाती है।

1 निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 18/06/2026 संध्या शाम 5:00 बजे तक
2. परीक्षण पश्चात् निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि एवं समय - 22/06/2026 संध्या शाम 5:00 बजे तक
3. कार्यालय में निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि एवं समय - 30/06/2026 संध्या शाम 4:00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 30/06/2026 संध्या शाम 5:00 बजे तक

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूरा करने की अवधि
1	वार्ड क्रमांक 15 नगर पंचायत अधिकारी/कर्मचारी आवास में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य	8.98	6800.00	750.00	03 माह

उपरोक्त कार्यों की निविदा का विवरण/विस्तृत शर्तें/निविदा विज्ञप्ति/निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.cg.uad.gov.in में एवं एन.आई.सी. जिला कार्यालय के वेब साईट में देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत बारसूर

जनसमस्या निवारण शिविर में तीन वार्डों से 98 आवेदन मिले

■ महापौर ने हितग्राहियो को किया लाभान्वित, गोद भराई की रस्म पूरी कर, अन्न प्राशन कराया
■ आज मोहड वार्ड के लिए मोहड स्कूल में शिविर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 9 जून। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत वार्डवासियो की समस्या का समाधान करने तथा उन्हे शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने वार्डो में आयोजित शिविर के तहत आज वार्ड नं. 39,40 व 48 के लिये गंजपारा स्कूल में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मांग के 70 तथा शिकायत के 28 इस प्रकार कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए। जिसका प्राथमिकता से निराकरण किया जायेगा।

शिविर में महापौर श्री यादव ने वार्डवासियो से कहा कि शासन की मंशानुरूप वार्डो के लिए क्लस्टर आधार पर जनसमस्या निवारण शिविर लगाया जा रहा है। शिविर का उददेश्य नागरिको के पास जाकर उनकी समस्या से अवगत हो उसका निराकरण करना है। उन्होंने कहा कि शिविर अब अंतिम चरण मे है, नागरिको द्वारा दिये गये आवेदनो को छटनी कर विभागवार मांग एवं शिकायत अलग कर उसका चरणबद्ध निराकरण किया जायेगा, ताकि वार्डवासियो को उसका लाभ मिल सके।

महापौर श्री यादव ने निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा तथा संबंधित वार्ड के पार्षदो में बाजार विभाग की प्रभारी सदस्य श्रीमती केवरा राय, श्री रवि सिन्हा, श्री अरूण साहू, सहित वरिष्ठ पार्षद श्री शिव वर्मा व श्री हेमंत शेखर यादव, पूर्व पार्षद श्री विजय राय, पार्षद प्रतिनिधि श्री राजेश यादव के साथ स्टालो का निरीक्षण कर अधिकारियो व कर्मचारियो से योजनाओ की जानकारी लिए। उन्होंने शासन की जन कल्याणकारी योजनाओ से लाभान्वित करने की कडी में हितग्राहियो को विवाह प्रमाण पत्र, ड्राईविंग लायसेंस तथा श्रमिक कार्ड का वितरण किया तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से गर्भवती महिलाओ की गोदभराई करा नवजात शिशुओ का अन्न प्राशन कराये। शिविर में स्वास्थ्य एंव आयुष विभाग द्वारा वार्डवासियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने अधिकारियो व कर्मचारियो से कहा कि शिविर में आये आवेदनो को कम्प्यूटर में इंद्राज कर पोर्टल मे डाले तथा उसका समय सीमा में निराकरण करे। कल 9 जून मंगलवार को वार्ड मोहड नं. 49 के लिए मोहड स्कूल में जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा।

GOVERNMENT OF CHHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
HASDEO BARRAGE W/M DIVISION, RAMPUR/KORBA (C.G.)
e-PROCUREMENT TENDER NOTICE
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(FIRST CALL)

NIT No.: 01/SAC/2026-27 **Dated: 08-06-2026**

Online Tenders are invited for the following works up to 30-06-2026 at 17.30 Hour

System Tender No NIT. No/Date	Name Of Work	Amount
System No-192555	Resetting of pitching work in the upstream and downstream, along with leak-proof epoxy treatment in Belgiri Nalla Syphon and Dhengur Nalla Syphon at the Power Canal and Bypass Canal of the Hasdeo Left Bank Canal in Korba district.	**Rs. 315.77 Lakhs** Tender Invited As Per SOR of 1-08-2010 and Amendment date 23-04-2026

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh Integrated e-Procurement Portal **(https://eproc.cgstate.gov.in) from Date 15-06-2026, at 17.31 Hours. (IST) onwards.**

NOTE:- All eligible/intrested contractors/bidders are mandated to get enrolled on the Integrated e-procurement portal **(https://eproc.cgstate.gov.in)** and get approval on specific vendor class from PWD under Centralized Contractor/Supplier Registration in order to download the tender documents and participate in the subsequent bidding process. Other terms and condition of this tender visit WRD website **https://eproc.cgstate.gov.in** under Live Tender available.

Other terms and condition of this tender visit WRD website **https://eproc.cgstate.gov.in** under Live Tender available

Executive Engineer
Hasdeo Barrage W/M Division,
Rampur/Korba (C.G)

G262701283/9

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 9 जून। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन के नेतृत्व में आज कांग्रेसजनों ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम में वृद्धि के विरोध में इंडियन ऑयल दफ्तर के सामने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा व पूर्व महापौर प्रमोद दुबे मौजूद थे।

जैतू साव मठ में लगाए गए 11 फलदार पौधे

रायपुर, 9 जून। पुरुषोत्तम मास पर पुरानी बस्ती स्थित जैतू साव मठ परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत 11 फलदार वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, मातृ सम्मान एवं धार्मिक पुण्य अर्जन का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में आम, अमरूद, जामुन, नींबू सहित विभिन्न फलदार पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित जनों ने पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महेंद्र अग्रवाल, अजय तिवारी, सुमित तिवारी, उज्जवल ठाकुर, सौरभ मिश्र एवं दीपक पाठक, संदिप उपाध्याय उपस्थित रहे। सभी ने वृक्षारोपण को समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान बताते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि सनातन धर्म में पुरुषोत्तम मास को अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। शास्त्रों के अनुसार इस माह में किए गए दान, सेवा, जप, तप एवं वृक्षारोपण का फल कई गुना बढ़कर प्राप्त होता है। विशेष रूप से फलदार वृक्ष लगाने से पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ जीव-जंतुओं, पक्षियों और मानव समाज को भी दीर्घकालीन लाभ मिलता है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

एक नजर

अग्रसेन कालेज में 14 जून को होगा एल्युमिनी मीट

रायपुर, 9 जून। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में आगामी 14 जून को पूर्व छात्र-छात्राओं के लिए भव्य एल्युमिनी मीट का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम शाम 4 बजे से शुरू होगा, जिसमें विभिन्न वर्षों के पूर्व विद्यार्थी एक साथ जुटेंगे। महाविद्यालय प्रबंधन के अनुसार, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पूर्व छात्रों, वर्तमान शिक्षकों और संस्थान के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करना है। इस अवसर पर पुराने सहपाठी वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलेंगे और छात्र जीवन से जुड़ी यादों को साझा करेंगे। एल्युमिनी मीट को यादगार बनाने के लिए मनोरंजक खेलों, सांस्कृतिक गतिविधियों और विभिन्न रोचक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। साथ ही पूर्व विद्यार्थियों के लिए एक विशेष संवाद सत्र भी रखा जाएगा, जिसमें वे अपने छात्र जीवन के अनुभवों, उपलब्धियों और संस्मरणों को साझा करेंगे। महाविद्यालय ने अधिक से अधिक पूर्व छात्रों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। आयोजन में भाग लेने के लिए पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। प्रबंधन का मानना है कि यह आयोजन पूर्व विद्यार्थियों को एक बार फिर अपने महाविद्यालय से जुड़ने और पुरानी यादों को ताजा करने का अवसर प्रदान करेगा।

अब तक नहीं मिली मई माह की पेंशन

रायपुर, 9 जून। प्रदेश के समस्त विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत कर्मचारियों को आज जून माह के 9 दिन व्यतीत हो गये बीते मई माह का पेंशन पेंशनरों को अभी तक नहीं मिला है पिछले माह भी 13 दिन विलम्ब से पेंशन मिला था पेंशनरों में आक्रोश ब्याप्त है। 1 मई से 10 जून तक मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुशासन तिहार में प्रदेश भर में नागरिकों की समस्याओं के प्राप्त आवेदनों का तत्काल समाधान करने के लिए शिविर लगा कर अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये गये हैं कि उक्त शिविर में नागरिकों की समस्याओं का निराकरण तत्काल किया जाय उक्त निर्देश में निराकरण भी हो रहा है और उसे निराकृत करने का प्रयास शासन स्तर पर भी किया जा रहा हैं। इस सुशासन तिहार के एक मई को प्रारम्भ होते ही मई माह के प्रारम्भिक दिनों में ही छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालयीन पेंशनर कल्याण संघ ने सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा मंत्री, वित्त मंत्री को पत्र देकर निवेदन किया था कि सातवें वेतनमान में ही पेंशन देने के लिए लगभग 2.5 करोड़ रुपये प्रति माह पेंशन बजट को बढ़ा कर स्वीकृत किया जाय।

रियायती दर पर सरकारी जमीन लेकर उद्योग नहीं लगाने वाले उद्योगपतियों को नोटिस

जमीन दबाकर बैठे 800 उद्योगपतियों पर सीएसआईडीसी का बड़ा एक्शन

रायपुर, 9 जून। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास के नाम पर रियायती दरों पर बेशकीमती सरकारी जमीनें हथिया कर कुंडली मार लेने वाले उद्योगपतियों के खिलाफ सीएसआईडीसी जमीन आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई करेगी। छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम ने ऐसे करीब 800 डिफल्टर उद्योगपतियों के खिलाफसख्त रुख अख्तियार करते हुए उन्हें 'अंतिम कारण बताओ नोटिस' थमा दिया है। निगम ने साफशब्दों में चेतावनी दी है कि यदि अगले 15 दिनों के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उनकी लीज तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी जाएगी। सख्ती का आलम यह है कि इनमें से 250 उद्योगपतियों से जमीन वापस छीनने की आधिकारिक प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

कौड़ियों के भाव ली जमीन टैक्स देना भी किया बंद

राजधानी रायपुर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों जैसे उरला, सिलतरा सहित प्रदेश के अन्य जिलों में कई बड़ी और मध्यम कंपनियों ने उद्योग लगाने का झांसा देकर बेशकीमती जमीनें अपने नाम करा ली थीं। लेकिन सालों बीत जाने के बाद भी इन जमीनों पर एक ईंट तक नहीं रखी गई। हद तो तब हो गई जब इनमें से कई कंपनियों ने लंबे समय से नियमानुसार सरकारी टैक्स का भुगतान करना भी बंद कर दिया। अब निगम ऐसे सभी 'कागजी उद्योगों' को बेदखल करने के मूड में है।

एक तरफ सरकार प्रदेश में औद्योगीकरण को रफ्तार देने की कोशिश कर रही है, तो दूसरी तरफजमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो साल 2024 से लेकर अब तक कुल 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के नए निवेश और एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। लेकिन यह विडंबना ही है कि अब तक केवल 6, 000 करोड़ रुपये की योजनाओं पर ही धरातल पर काम शुरू हो सका है। मौजूदा स्थिति में महज 219 परियोजनाएं ही क्रियान्वयन के शुरुआती चरणों तक पहुंच पाई हैं।

विशेषज्ञों की मानें तो प्रदेश में बड़े निवेश प्रस्तावों के जमीन पर न उतर पाने की सबसे बड़ी वजह भूमि अधिग्रहण, प्रभावितों का पुनर्वास, जटिल पर्यावरणीय मंजूरियां और स्थानीय स्तर पर कुशल श्रमिकों की कमी है।

इन्हीं प्रशासनिक और सामाजिक अड़चनों के कारण 8 लाख करोड़ के उन बड़े प्रस्तावों पर भी काम रुका पड़ा है, जो कभी सुर्खियां बने थे।

15 दिन का अल्टीमेटम वरना छिनेगी जमीन

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : राजीव अग्रवाल

सीएसआईडीसी के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा है कि किसी भी निवेशक को उद्योग लगाने के लिए दो वर्ष का पर्याप्त समय दिया जाता है। जो भी उद्योगपति इस तय समय सीमा में काम शुरू करने में लापरवाही बरत रहे हैं, उनकी लीज हर हाल में रद्द की जाएगी। उन्होंने कहा है कि उद्योगपतियों को 15 दिन का समय दिया गया है। उन्होंने बताया कि पूर्व में ढाई सौ लोगों का आवंटन निरस्त किया गया है।

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा में लगाई आग

रायपुर, 9 जून। राजधानी रायपुर के अश्वनी नगर-चंद्रशेखर नगर स्थित सुंदर नगर वार्ड में सोमवार देर रात एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर के बाहर खड़ी दुपहिया वाहन में आग लगाने का मामला सामने आया है। घटना में वाहन पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुंदर नगर निवासी अशोक केशवानी ने अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमएल 3413 को रोज की तरह घर के बाहर खड़ा किया था। सोमवार रात करीब 2.45 बजे उन्हें कुछ जलने की गंध महसूस हुई। बाहर निकलकर देखने पर उनकी एक्टिवा में आग लगी हुई थी।

परिवार के सदस्यों ने तत्काल पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक वाहन बुरी तरह जल चुका था। मंगलवार सुबह आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर पता चला कि एक अज्ञात व्यक्ति बोतल में पेट्रोल लेकर आया और वाहन पर छिड़ककर आग लगा दी। घटना की सूचना पुरानी बस्ती थाना में दर्ज करा दी गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान एवं तलाश में जुटी हुई है।

घर घुसकर महिला को पीटा

रायपुर, 9 जून। राजधानी रायपुर में अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला संतोषी नगर स्थित गोकुल नगर से सामने आया है, जहां कुछ युवकों पर एक महिला के घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि आरोपियों ने महिला को घर के अंदर घसीट-घसीट कर पीटा, जिससे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल बन गया।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के अनुसार महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुट गई है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। इलाके में बढ़ते विवाद को देखते हुए पुलिस सतर्क है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

9 ग्राम पंचायतों को मिली पानी टैंकर की सौगात

रायपुर, 9 जून। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं भीषण गर्मी के दौरान ग्रामीणों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी द्वारा 15वें वित्त आयोग की राशि से 9 ग्राम पंचायतों को पानी टैंकर प्रदान किए गए।

यह पहल जल संकट से प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने तथा ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस योजना के अंतर्गत बेरलाकला, बोरिया, लाटा, गोड़गिरी, गुधेली, खंगारपाठ, सिलघट (भिंभौरी), कण्डरका एवं बीजभाट (बेमेतरा विकासखंड) ग्राम पंचायतों को पानी टैंकर उपलब्ध कराए गए हैं। इन पंचायतों में गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या को देखते हुए लंबे समय से पानी टैंकरों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी ने कहा कि पानी जीवन का आधार है और प्रत्येक व्यक्ति तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है।

वर्तमान समय में भीषण गर्मी के कारण कई ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्तर प्रभावित हुआ है, जिससे लोगों को पेयजल संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में ये पानी टैंकर ग्रामीणों के लिए राहत का माध्यम बनेंगे और जरूरतमंद क्षेत्रों तक समय पर पानी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इन टैंकरों के माध्यम से गांवों के विभिन्न वार्डों, दूरस्थ बस्तियों एवं जल संकट प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे महिलाओं, बुजुर्गों एवं बच्चों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करने की परेशानी से राहत मिलेगी।

असम की पीडीएस व्यवस्था का नान अध्यक्ष ने किया अवलोकन

रायपुर, 9 जून। छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने असम प्रदेश के गुवाहाटी जिले का दौरा कर वहां संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का विस्तृत अध्ययन एवं निरीक्षण किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने गुवाहाटी स्थित दो उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा दुकानों के संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। श्रीवास्तव ने गुवाहाटी स्थित खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मुख्यालय का भी भ्रमण किया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, खाद्यान्न भंडारण, परिवहन, वितरण तंत्र, डिजिटल निगरानी व्यवस्था तथा उपभोक्ता हितों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें असम की पीडीएस प्रणाली की कार्यप्रणाली, तकनीकी नवाचारों एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जा रहे उपायों की जानकारी दी।

निरीक्षण के उपरांत संजय श्रीवास्तव ने कहा कि असम प्रदेश में संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उन्होंने बारीकी से अध्ययन किया है। यहां अपनाई जा रही कई व्यवस्थाएं एवं नवाचार छत्तीसगढ़ की पीडीएस प्रणाली को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि राज्यों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान बेहतर प्रशासनिक व्यवस्थाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सशिमं के विकास में आचार्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : पुरोहित

रायपुर, 9 जून। सरस्वती ग्राम शिक्षा समिति द्वारा प्रदेश भर में संचालित सरस्वती शिशु मन्दिर ग्रामीण विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण और गुणात्मक सुधार के लिए जिला स्तर पर 'नवीन आचार्य संकल्पना वर्ग' का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में महासमुन्द जिला के ग्राम कसेकेरा स्थित सरस्वती ग्राम गंगा विद्या मन्दिर में नवीन आचार्यों के लिए प्रशिक्षण वर्ग संचालित है। ?इस वर्ग के तहत सोमवार को आयोजित सत्र में ग्राम भारती जिला समिति के सदस्य अनिल पुरोहित मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने 'विद्यालय के विकास में आचार्यों की भूमिका' विषय पर केंद्रित अपना सारगर्भित उद्बोधन दिया।

श्री पुरोहित ने कहा आचार्य केवल किताबी ज्ञान देने वाले शिक्षक नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण अंचलों में संस्कृति और संस्कारों के संवाहक हैं। एक सुदृढ़ और समृद्ध विद्यालय की नींव आचार्यों के समर्पण, नवाचार और उनके उच्च नैतिक आचरण पर टिकी होती है। पुरोहित ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ना आचार्यों का प्राथमिक कर्तव्य है। विद्यालय के विकास के लिए आचार्यों को ग्रामीणों और अभिभावकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर एक आत्मीय संबंध बनाना चाहिए। पुरोहित ने कहा कि नवीन आचार्यों को शिक्षण की नई पद्धतियों को अपनाकर स्वयं को लगातार अद्यतन (अपडेट) रखना होगा, जिसका सीधा लाभ ग्रामीण छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

बयानबाजी | स्कूल-कालेजों में फीस वृद्धि और खाद संकट पर कांग्रेस नेताओं ने सरकार को लिया आड़े हाथ

स्कूल-कॉलेजों में शुल्क वृद्धि तत्काल वापस ले सरकार : कांग्रेस

रायपुर, 9 जून। वर्तमान शैक्षणिक सत्र के लिए सरकारी स्कूलों और कॉलेज, विश्वविद्यालयों के शुल्कों में भारी वृद्धि का विरोध करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि यह सरकार शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण दायित्व को कमाई का जरिया बनाना चाहती है, जिससे लाखों गरीब मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा प्राप्त करने का अवसर खत्म हो रहा है। रविशंकर विश्वविद्यालय में परीक्षा और नामांकन फीस 46 प्रतिशत तक बढ़ा दिए गए हैं और अब हर साल 5 प्रतिशत शुल्क वृद्धि का छात्र विरोधी निर्णय इस सरकार ने लिया है। निजी स्कूल कॉलेज पहले से ही इस सरकार के नियंत्रण से बाहर हैं, अब सरकारी शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों से भी यह सरकार अनुचित वसूली करना चाह रही है, दरअसल भाजपा की सरकार चाहती ही नहीं कि गरीब बच्चा पढ़ लिख पाए।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में जब से भाजपा की सरकार आयी है, हर विभाग को वसूली गिरोह की तर्ज पर चलाने का कुत्सित प्रयास जारी है। विगत दिनों सरकारी स्कूल और बोर्ड परीक्षा फीस में बढ़ोत्तरी की गई, माध्यमिक शिक्षा मंडल 0वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा फीस में बड़ा इजाफा किया गया, नियमित परीक्षा शुल्क 280 रुपये से बढ़ाकर 480 रु., मार्कशीट फीस 100 से 200 रुपए और प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) परीक्षा फीस 80 से बढ़ाकर 120 रूपय प्रति विषय कर दी गई। यही नहीं सरकारी स्कूलों में ट्यूशन और विकास शुल्क का अतिरिक्त बोझ भी छात्रों पर डाला गया है। विभिन्न गतिविधियों और निधियों (जैसे खेल, विज्ञान, निर्धन छात्र सहायता) के शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई है, इस सरकार की दुर्भावना से छात्रों पर कुल वार्षिक बोझ कई गुना बढ़ गया है।

डबल इंजन सरकार ने निर्मित किया है खाद संकट : ठाकुर

रायपुर, 9 जून। खाद संकट को डबल इंजन सरकार निर्मित आपदा करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि डबल इंजन सरकार बनने के बाद प्रदेश में हर वर्ष खाद संकट निर्मित हो रहा है। ये संकट 2024, 2025 एवं वर्तमान में भी जानबूझकर उत्पन्न किया गया है। ताकि किसानों की उत्पादन प्रभावित हो और सरकार वादानुसार प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने से बच सके। भाजपा सरकार की नीयत में खोट है। बीते खरीफसीजन में अधिकांश किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल के बजाये कम धान की खरीदी की गई है। जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ है। किसानों की आमदनी दोगुनी करने का दावा करने वाली डबल इंजन की सरकार की ये किसान विरोधी नीति है। बीते तीन खरीफसीजन से बोआई के समय किसानों को खाद के लिए सोसायटियों के चक्कर लगवाये जा रहे है। किसान परेशान है और जिम्मेदार लोग सिर्फ खाद की कमी नहीं होने का दावा कर किसानों को गुमराह कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में सहकारी सोसायटियों से खाद लेने वाले किसानों की संख्या करीब 33 लाख से अधिक है, इसके अलावा अधिया, रेगहा लेकर धान उत्पादन करने वाले एवं निजी दुकानों से खाद लेने वालों की संख्या लाखों में है।

भू भाटक में छूट के लिए रमन सिंह से मिला विप्र प्रतिनिधिमंडल

रायपुर, 9 जून। सरयू पारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के संजय नगर रिंग रोड रायपुर स्थित भवन की भूमि का आबंटन शासन द्वारा किया जा चुका है, जिसके भू भाटक में छूट हेतु सरयू पारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ रमन सिंह अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा सभा से भेंट कर आग्रह किया।

सरयूपारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ सुरेश शुक्ला ने बताया कि समाज की भूमि का आबंटन शासन द्वारा पूर्व में किया जा चुका है, जिस पर बाजार मूल्य से अधिक प्रब्याजी शुल्क जो कि करोड़ों में है देय है। उक्त राशि में छूट प्रदान हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं डॉ रमन सिंह अध्यक्ष विधानसभा ने गत सितंबर में समाज प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में आश्वस्त किए थे। पुनः स्मरण कराने आज सरयू पारीण ब्राह्मण सभा छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने डॉ रमन सिंह से भेंट कर ज्ञापन सौंप शीघ्र भू भटक में छूट प्रदान करने का आग्रह किया। इस अवसर पर सरयूपारीण सभा द्वारा प्रकाशित वैवाहिक पत्रिका तुलसी दर्पण की एक प्रति उन्हें भेंट की गई।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26